

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के अहिल्या नगर में 19 वर्षीय नीट अभ्यर्थी अंकिता ने आत्महत्या की

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) की 19 वर्षीय अभ्यर्थी अंकिता सुरेश सांगले की मृत्यु के बाद परीक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अंकिता कर्जत तालुका के जलालपुर गांव की निवासी थीं। उन्होंने हाल ही में आयोजित नीट पुनर्परीक्षा में भाग लिया था। परिजनों के अनुसार, पुनर्परीक्षा के परिणाम में अंकिता को 166 अंक प्राप्त हुए थे। इसके बाद शनिवार दोपहर उनके घर में उनका शव मिला। घटना के समय उनके पिता सुरेश सांगले देवदर्शन के लिए पंढरपुर गए हुए थे। पुलिस को घटनास्थल से मराठी भाषा में लिखा एक हस्तलिखित पत्र मिला है। उसमें अंकिता ने लिखा कि उनके माता-पिता और भाई ने उन्हें हमेशा प्रेम और सहयोग दिया तथा उनकी मृत्यु के लिए परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने यह भी लिखा कि नीट की तैयारी के दौरान परिवार ने उनके लिए हर संभव त्याग किया, लेकिन वह उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं।

ई20 को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी में आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। देशभर में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ई20 को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ युवाओं और कार प्रेमियों में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) सड़क पर उतारने की तैयारी कर रही है। सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि पार्टी इस शनिवार को ई20 के विरोध में नेशनल टाउनहॉल का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में जुड़ने का आह्वान किया है। केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, पेपर लीक के बाद अब देश के युवाओं ने एक होकर आवाज उठाई तो धर्मदं प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। ई20 पर भी हमें एक होकर आवाज उठानी पड़ेगी। इस शनिवार हम नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई20 आयोजित कर रहे हैं, जिसमें शामिल होकर आप ई20 पर अपनी बात रख सकते हैं। आप इसमें ऑनलाइन भी शामिल हो सकते हैं।

प्रियंका गांधी ने एके-47 और पैलेट गन पर सरकार पर बोला हमला

क्या छात्र आतंकवादी थे-गृहमंत्री दे जवाब : प्रियंका गांधी वाइरा

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाइरा ने केंद्र सरकार पर कई मोर्चों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दिल्ली में छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित बल प्रयोग, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था, एनटीए, शिक्षा बजट और नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। उनके भाषण के दौरान कई बार सत्ता पक्ष ने विरोध किया, जबकि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उनके एक बयान को लेकर आपत्ति भी दर्ज कराई। प्रियंका गांधी ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर आंसू गैस, लाठीचार्ज, वॉटर

कैनन, पैलेट गन और ँच-47 जैसे हथियारों का इस्तेमाल क्यों किया गया। उन्होंने कहा, क्या वे आतंकवादी थे? पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? क्या प्रधानमंत्री ने आदेश दिया या गृह मंत्री ने सिर्फ कांग्रेस पार्टी नहीं, बल्कि पूरा देश इसका जवाब चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र गांधीजी के बताए अहिंसा के रास्ते पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी आवाज दबाने की कोशिश की। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के माता-पिता, छात्र और शिक्षक सभी सरकार से जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, आप इस देश के युवाओं से क्यों डरते हैं? आपको उनकी आवाज दबाने का अधिकार किसने दिया? कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि पिछले एक दशक में 152 बार पेपर लीक हुए और



करोड़ों छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि जिन सरकारी वाहनों का उपयोग नहीं हो रहा है, उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा जाए और उनका बेवजह इस्तेमाल न होने दिया जाए। यह आदेश सितंबर 2022 में जारी दिशा-निर्देशों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। नया कार्यालय ज्ञान सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को भेज दिया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार के अधिकारी सार्वजनिक उपक्रमों या अर्ध-सरकारी संगठनों के वाहनों का उपयोग भी नहीं कर सकेंगे।

पांच करोड़ रुपये की हेरोइन सहित दो गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद। जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े प्रयास को लालगोला थाना पुलिस ने विफल कर दिया। आज तड़के नवग्राम इलाके में चलाए गए अभियान में पुलिस ने करीब 3.176 किलोग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निमाई सरकार और मोमिन शेख के रूप में हुई है। दोनों लालगोला थाना अंतर्गत क्रमशः दुर्लभपुर एवं अठराशिवा के निवासी हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि नवग्राम क्षेत्र में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की खेप पहुंचाई गई है।

महाराष्ट्र में बदलेगी सियासी हवा?

शरद पवार ने पीएम मोदी को दिया बारामती आने का न्योता

नई दिल्ली/ एजेंसी



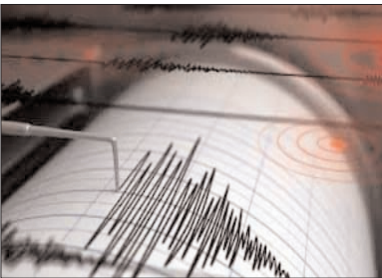
महाराष्ट्र की राजनीति में एक ही दिन हुए दो घटनाक्रमों के कारण सूबे के सियासी पंडित सकते में पड़ गए हैं। राकां के वरिष्ठ नेता शरद पवार इसकी वजह हैं। एक ओर बड़े पवार ने राकां के दोनों गुटों के विलय की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बारामती आने का निमंत्रण देकर सियासी हलकों में नई अटकलों को जन्म दे दिया। विपक्षी मोदी को आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में विद्या प्रतिष्ठान की

बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम 2 अक्टूबर या 16 अक्टूबर को आयोजित करने की योजना है, हालांकि अंतिम तारीख पर प्रधानमंत्री कार्यालय की मंजूरी अभी बाकी है। इसके बावजूद आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। विद्या प्रतिष्ठान के डोम में गौतम बुद्ध की प्रतिमा के साथ महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, छत्रपति शाहू महाराज सहित 13 महान विभूतियों के चित्र भी लगाए जा रहे हैं। शरद पवार ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और बताया गया है। कि वह स्वयं प्रधानमंत्री को आमंत्रण पत्र सौंपने के लिए दिल्ली भी जाएंगे।

कुमामोटो समेत कई इलाकों में हाई अलर्ट

जापान के क्यूशू में 7.1 तीव्रता का भीषण भूकंप,सुनामी की चेतावनी

नई दिल्ली। जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू में मंगलवार दोपहर 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे पूरे इलाके में तेज झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र कुमामोटो प्रांत में जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप के तुरंत बाद प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि समुद्र में एक मीटर (लगभग 3.28 फीट) तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। सार्वजनिक प्रसारक हावा के अनुसार, कुछ प्रभावित क्षेत्रों में इस स्तर की लहरें पहले ही दर्ज की जा चुकी हैं। जापान



सरकार ने क्यूशू द्वीप के सात प्रमुख प्रांतों कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाज़ाकी के लिए आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है। जापान दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय सक्रिय देशों में से एक है। यह प्रशांत महासागर

के 'रिंग ऑफ़फ़ायर' के पश्चिमी किनारे पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। यह द्वीप समूह हर साल सैकड़ों भूकंप के झटके महसूस करता है और दुनिया भर में होने वाले कुल भूकंपों का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा अकेले जापान में दर्ज किया जाता है। हालांकि अधिकांश झटके हल्के होते हैं, लेकिन उनका प्रभाव स्थान और गहराई पर निर्भर करता है।यह वर्तमान आपदा 2011 के उस विनाशकारी 9.0 तीव्रता के भूकंप की याद दिलाती है, जिसने भीषण सुनामी को जन्म दिया था। उस समय लगभग 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए थे और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र को भारी नुकसान पहुंचा था। गौरतलब है कि इसी साल 20 अप्रैल को उत्तरी जापान में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत

इस्तीफे के बाद पहली बार ओडिसा पहुंचे धर्मद प्रधान

नई दिल्ली/ एजेंसी



नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले धर्मद प्रधान मंगलवार को पहली बार अपने गृह राज्य ओडिशा पहुंचे। राजधानी भुवनेश्वर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए उनका अभिर्नंदन किया। इससे पहले संसद परिसर में भी एनडीए सांसदों ने 'धर्मद प्रधान जिंदाबाद' के नारों के साथ उनका स्वागत किया था और उन्हें पारंपरिक

पाग पहनाकर सम्मानित किया था। इस बीच ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने धर्मद प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे महत्वपूर्ण सुधार लागू किए, जिससे देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिली।

सरकारी वाहनों के दुरुपयोग रोकने का एलान

मोदी सरकार का बड़ा फैसला अब एक अफसर,एक कार....

नई दिल्ली/ एजेंसी



सरकारी वाहनों के दुरुपयोग रोकने के लिए मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। वाहनों का दुरुपयोग रोकने और खर्च कम करने के लिए सरकार ने 'एक अधिकारी, एक सरकारी गाड़ी' नीति लागू की है। नीति के तहत किसी अधिकारी को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने पर दूसरी सरकारी गाड़ी नहीं दी जाएगी। वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग की ओर से जारी नए कार्यालय ज्ञापन के तहत अब किसी अधिकारी को पहले से सरकारी गाड़ी मिली हुई है तो अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने पर दूसरी सरकारी

गाड़ी नहीं दी जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि अगर कोई अधिकारी किसी अन्य मंत्रालय, विभाग, सार्वजनिक उपक्रम या ऑटोनामस बॉडी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहा है, तब भी उसे दूसरी सरकारी कार नहीं दी जाएगी। सरकार ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों

और विभागों को इस नई व्यवस्था का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा गया है कि जिन सरकारी वाहनों का उपयोग नहीं हो रहा है, उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा जाए और उनका बेवजह इस्तेमाल न होने दिया जाए। यह आदेश सितंबर 2022 में जारी दिशा-निर्देशों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। नया कार्यालय ज्ञान सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को भेज दिया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार के अधिकारी सार्वजनिक उपक्रमों या अर्ध-सरकारी संगठनों के वाहनों का उपयोग भी नहीं कर सकेंगे।

मद्रास हाई कोर्ट ने करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने वाला आदेश किया रद्द

चेन्नई। तमिलनाडु की मद्रास हाई कोर्ट से सोमवार को मुख्यमंत्री विजय की सरकार को करारा झटका लगा है। कोर्ट की मदुरै पीठ ने पिछले साल करूर भगदड़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने वाले आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सीवी कार्तिकेयन और न्यायमूर्ति आर शक्तिवेल की खंडपीठ ने कहा कि यह नियुक्ति अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। पीठ ने नियुक्तियों को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं के समूह का निपटारा भी किया। कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक सरकारी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति की अनेक लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं।



हमारे लिए बहुत ही खुशी का दिन है। एक हमारी वो योजना, जो हमने दिल्ली की बहनों से प्रॉमिस किया था। आज हमारी बहनें थीं मीटिंग में, उसे हमने पूरा किया है। दिल्ली लक्ष्मी योजना के नाम से हमारी ऐसी योजना, जिसमें दिल्ली की बहनों को सशक्त बनाने के लिए 2500 रुपये महीना देने वाले हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले सीजेपी प्रदर्शनकारियों को रिहा करें और राज्यों को सख्त कार्रवाई से रोका...

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मद प्रधान के इस्तीफे की मांग में हुए छात्र प्रदर्शनों पर अहम अंतरिम आदेश जारी किया। कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया कि जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ पिम्तहाल कोई सख्त कार्रवाई न की जाए। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि पुलिस कानून के अनुसार एफआईआर दर्ज कर सकती है, लेकिन बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई

दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। वहीं, जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें इस राहत के दायरे से बाहर रखा गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू होकर महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, असम, पश्चिम बंगाल और केरल तक फैले छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया। याचिकाओं में दावा किया गया है कि नीट यूजी 2026 पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। साथ ही पैलेट गन, आंसू गैस और



इलेक्ट्रिक हथियारों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 20 और

21 का उल्लंघन बताया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोप स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की

मांग करते हैं। अदालत ने देशभर में छात्र प्रदर्शनों से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। इसमें सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-कैमरा वीडियो, वायरलेस कम्युनिकेशन और पुलिस कंट्रोल रूम रिकॉर्ड शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों का डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए और उनकी किसी भी व्यक्तिगत जानकारी या डेटा को सार्वजनिक न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को तय की है। अदालत ने उस दिन संबंधित राज्यों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है।



तीन दिवसीय कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भिलाई द्वारा आयोजित तीन दिवसीय «कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर» का सफ़्तापूर्वक समापन हुआ। शिविर का आयोजन प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन के नेतृत्व में किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मकारों के व्यक्तित्व, व्यवहार एवं कार्यकुशलता का सर्वांगीण विकास करना था।

तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को स्वभाव दोषों की पहचान एवं सुधार, प्रभावी संवाद कौशल (Communication Skills), सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, अनुशासन, टीम भावना, ग्राहक से बेहतर व्यवहार, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा कार्यस्थल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मकारों ने अपने अनुभव साझा किए तथा स्वयं से सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। सभी प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को जीवन एवं कार्यक्षेत्र दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

शिविर में प्रशिक्षक के रूप में श्री कमल बिस्वाल, श्री गौरव मोंगिया, श्री विकास जायसवाल, श्रीमती टीना सातपुते एवं श्री शंकर सचदेव ने अपने अनुभव एवं ज्ञान से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। सभी प्रशिक्षकों ने व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों को सरल एवं प्रेरणादायक ढंग से प्रस्तुत किया।



समापन अवसर पर प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन ने कहा कि «किसी भी संस्थान की सफ़लता उसके कर्मकारों के व्यक्तित्व, संस्कार और कार्यशैली पर निर्भर करती है। ऐसे प्रशिक्षण कर्मकारों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का निर्माण करते हैं।»

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने समापन अवसर पर कहा कि कर्मकार का आचार ,व्यवहार ही प्रतिष्ठन के उत्तम भविष्य कारक होगा।भविष्य में भी 30 जुलाई से 1 अगस्त को

द्वितीय बैच प्रारम्भ होगा।उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए ,तीने दिन उपस्थित प्रशिक्षको को सम्मानित किया गया। उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गई।मंच संचालन सुनील मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जे पी गुप्ता(उद्योग चेम्बर अध्यक्ष),सरोजनी पाणिग्राही, मधुरी पाराशर, निरंकार सिंह,मनोहर कृष्णानी उपस्थित थे।

भरूवाडीह में पेयजल एवं स्वच्छता के लिए पंचायत प्रतिनिधियों ने ली शपथ



बलौदा बाजार । जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत भरूवाडीह में पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पेयजल संरक्षण एवं स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने, जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने तथा गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने पेयजल संकट की चुनौतियों, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण तथा स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल

पंचायत सचिव हरिकिशन वर्मा द्वारा जानकारी दिया गया कि बैठक के पश्चात पंचायत प्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों एवं ग्रामीणों ने पंचायत भवन परिसर में एकत्र होकर पेयजल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखेंगे, जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं होने देंगे तथा अन्य लोगों को भी जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ गांव और सुरक्षित पेयजल से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करे तो जल संकट और गंदगी जैसी समस्याओं पर काफ़ी हद तक नियंत्रण

पाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों से अपील की गई कि वे जल संरक्षण एवं स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं जल-सुरक्षित बनाने में सक्रिय योगदान दें। ग्राम सभा के दौरान सरपंच नरेंद्र कश्यप, पंचायत सचिव हरिकिशन वर्मा उप सरपंच भाव सिंह जागड़ पंच अश्वनी सगरवंशी अशोक साहू सरस्वती सारगवंशी दीना बाई ध्रुव कमलेश्वरी यादव पूर्णिमा ध्रुव प्रभाकर मिश्रा रिखीराम ध्रुव रामदुलारी अनीता यादव कविता यादव पुष्पा साहू संतोष ध्रुव रोजगार सहायक ललित साहू हेमंत सगरवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सर्पों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू एवं मानव-सर्प सह-अस्तित्व पर दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

बलौदाबाजार । वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशन में शनिवार को बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा साँपों की सुरक्षा और जागरूकता के साथ सह अस्तित्व - 2026 का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं को सर्पों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, विषैले एवं अविषैले सर्पों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू तकनीकों तथा मानव-सर्प संबंधों को कम करने के व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।



दिये। उन्होंने मध्यान्ह भोजन के लिये दैनिक मैन्यू के अनुसार ही भोजन प्रदाय किये जाने के निर्देश दिये। शालाओं में स्वेच्छिक आधार पर च्योता भोज के आयोजन के लिये विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक पहल करने तथा जनप्रतिनिधियों को शामिल करने के निर्देश दिये। स्कूलों में बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति पर जोर देते हुए कहा कि बौईओ और बीआरसी कड़ी मॉनिटरिंग करें और बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि हर माह स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति की समीक्षा करें और जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होगी उसके प्राचार्य एवं

बौईओ को पहले नोटिस दें, उसके बाद भी सुधार नहीं होने पर आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी, वहीं जिन स्कूलों में उपस्थिति बेहतर होगी उनके प्राचार्य, प्रधान पाठक को सम्मानित भी किया जाएगा। आरएसबीवाय के तहत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जांच हेतु स्वास्थ्य विभाग से आपसी समन्वय कर माह जुलाई तक के लिये निर्धारित संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिये। बैठक में सौईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, एसएमएचओ डॉ राजेश अवस्थी, प्रभारी डीईओ के. एस.मरावी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सोनबरसा में स्नेक रेस्क्यू एंड अवेयरनेस वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया

सर्पों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू एवं मानव-सर्प सह-अस्तित्व पर दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

बलौदाबाजार । वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशन में शनिवार को बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा साँपों की सुरक्षा और जागरूकता के साथ सह अस्तित्व - 2026 का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं को सर्पों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, विषैले एवं अविषैले सर्पों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू तकनीकों तथा मानव-सर्प संबंधों को कम करने के व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

एफईएस. के विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव-कार्यशाला में डॉ. मंजीत कौर बाल, स्टेट लीड छत्तीसगढ़, डॉ. जगपाल सिंह बाल, विभागाध्यक्ष (मैकेनिकल), शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, बेरला (बेमैतरा) तथा नरेन्द्र कुमार यादव, अंचल ठाकुर एवं मानव राज, प्रोजेक्ट मैनेजर,छत्तीसगढ़ ने विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों के रूप में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञों ने सर्प संरक्षण के महत्व, मानवद्वंसर्प सह-अस्तित्व तथा सुरक्षित रेस्क्यू की वैज्ञानिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की।

इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि सर्प प्रकृति एवं पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुई प्रक्रिया : राशनकार्ड से सदस्य का नाम विलोपित, हितग्राही ने जताया आभार



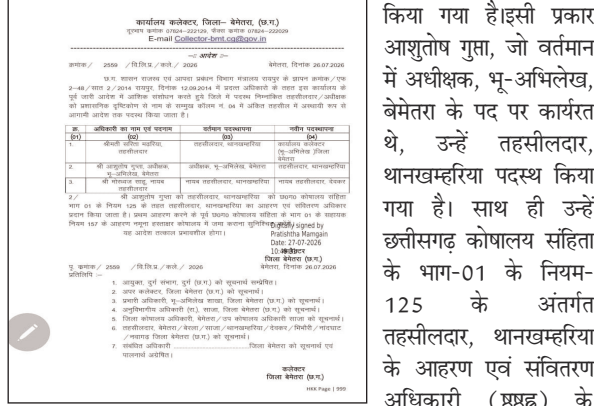
बेमैतरा। राज्य शासन की डिजिटल सेवा पहल सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में विकासखण्ड बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघौरी की निवासी श्रीमती शांति बाई, पति श्री संतराम ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अपनी विवाहित पुत्री मैत्रैन का नाम राशनकार्ड से सदस्य के रूप में विलोपित कराने हेतु ऑनलाइन आवेदन किया।आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध रूप से कार्रवाई की गई तथा राशनकार्ड से सदस्य के रूप में मैत्रैन का नाम

से यह कार्य बेहद सरल और सुविधाजनक तरीके से पूरा हुआ।उन्होंने कहा, «मोर बेटी के नाम राशन कार्ड में सदस्य के रूप में दर्ज रहिस। ओकर शादी होके अपन ससुराल चले गे हे। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से राशनकार्ड ले ओकर नाम आसानी से कट गे। अब ओ अपन ससुराल में नया राशनकार्ड, श्रमकार्ड अऊ दूसर सरकारी योजना मन के लाभ ले सकही। एकर बर मैं छत्तीसगढ़ शासन अऊ जिला प्रशासन, जनपद पंचायत बेरला के धन्यवाद देवत हवँ।» सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। यह पोर्टल शासन की सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल माध्यम से पहुंचाने की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रहा है।



के बीच निरंतर सक्रिय रहने तथा कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास जनसंघर्ष और जनसेवा का रहा है। उन्होंने बुध एवं मंडल समितियों को मजबूत करने पर जोर देते हुए मोहित वर्मा, प्रकाश ठाकुर, रोमन वर्मा, दुर्गा प्रसाद तिवारी, प्रताप साहू, योगिता साहू, रूबी सलूजा, हेमीन यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टरप्रतिष्ठा ममगाई के आदेशानुसार तीन राजस्व अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल



बेमैतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के आदेशानुसार जिले में प्रशासनिक दृष्टिकोण से राजस्व अधिकारियों के प्रभार में आंशिक परिवर्तन किया गया है। जारी आदेश के तहत तीन अधिकारियों को नवीन पदस्थाना दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।जारी आदेश के अनुसार श्रीमती सतिता मड़रिया, जो वर्तमान में तहसीलदार, थानखमहरिया के पद पर कार्यरत थीं, उन्हें कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख), जिला बेमैतरा में पदस्थ

किया गया है।इसी प्रकार आशुतोष गुप्ता, जो वर्तमान में अधीक्षक, भू-अभिलेख, बेमैतरा के पद पर कार्यरत थे, उन्हें तहसीलदार, थानखमहरिया पदस्थ किया गया है। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ कोषालय सहिता के भाग-01 के नियम-125 के अंतर्गत तहसीलदार, थानखमहरिया के आहरण एवं सवितरण अधिकारी (छष्टछ) के

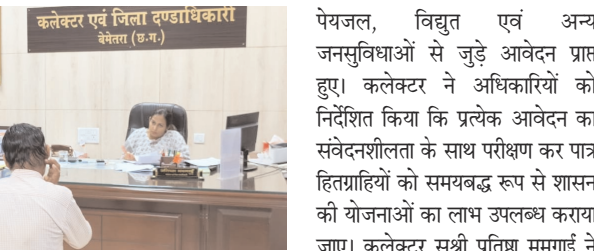
अल्ट्राटेक द्वारा कुकुरदी एवं ढनढनी में पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन, फलदार, छायादार एवं फूलदार पौधों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बलौदा बाजार। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेंट वर्क्स के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम कुकुरदीह एवं ढनढनी के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में पलदार, छायादार तथा फूलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पौधों के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें अपने-अपने पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत ढनढनी से उपसरपंच भूपेन्द्र साहू, ग्राम पंचायत कुकुरदी से सरपंच गंगा साहू, सरपंच प्रतिनिधि गोपाल साहू पंचायत सदस्य पंच आशीष जांगड़े, देवेन्द्र जांगड़े, ललित ध्रुव एवं हीरा मरकाम सहित शिक्षक गण, विद्यार्थी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में छत्रक टीम के दया वर्मा एवं परमेश्वर साहू का विशेष योगदान रहा।

जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने सुनीं आमजन की समस्याएं, विभिन्न विभागों से संबंधित 36 आवेदन प्राप्त, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बेमैतरा। जिले के नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के तहत कलेक्टोरेट परिसर में जनदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामों से पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए।जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों में अधिकारियों से दूरभाष पर



चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई, वहीं कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को तत्काल उपस्थित होकर समाधान की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सरल एवं तात्कालिक प्रकृति के कई मामलों का निराकरण मौके पर ही किया गया। आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से निर्वाश्रित पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, भूमि संबंधी विवाद, सीमांकन, नामांतरण, कटा हुआ रकबा जोड़ने, आम रास्ता खुलवाने, खद गड्ढा हटाने,

पेयजल, विद्युत एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का सवेदनशीलता के साथ नरीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना जाए। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं का यथासंभव शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का नियमित अनुश्रवण करते हुए निर्धारित समय-सीमा में उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

सीजीपीएससी घोटाले में ईडी की एंट्री,मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से होगी जांच,सीएसम साय बोले
भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले की जांच अब और तेज हो गई है। मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंटी हो गई है। जानकारी के अनुसार, मामले के प्रमुख आरोपी टामन सिंह सोनवानी से रिमांड अवधि के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू पर भी पूछताछ की जाएगी। इस बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के युवाओं और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से सीजीपीएससी घोटाले की जांच का वादा किया था और अब दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार के मामलों में हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। किसी भी क्षेत्र में अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में छत्तीसगढ़ का उल्लेख किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का उल्लेख करते हैं।

छात्र आंदोलन के आगे झुकी मोदी सरकार, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा युवाओं की जीत – दीपक बैज

रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में ग्राम नकदी मामले को लेकर गठित कमेट्री की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू, शिव कुमार डडरिया, विकास उपाध्याय सहित जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों ने एकजुट होकर संघर्ष किया और पूरे देश के छात्र तानाशाही सरकार के खिलाफ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के आंदोलन की जीत है। बैज ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सभी छात्रों का आभार व्यक्त किया है। उनका आरोप था कि युवाओं के आंदोलन के दबाव में मोदी सरकार ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए यह फैसला लिया। दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले भी छात्रों के साथ थी और आगे भी उनके हितों की लड़ाई लड़ती रहेगी। प्रदेश के किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसान खाद और बीज के संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन विष्णु देव साय सरकार उनकी समस्याओं के समाधान में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार किसान हितैषी नहीं है। ग्राम नकदी में हुई तोड़फोड़ का जिक्र करते हुए बैज ने कहा कि बरसात के मौसम में गरीबों के मकान तोड़ना सरकार का अन्यायपूर्ण कदम है।

सेवा सेतु से आसान हुई सरकारी सेवाओं की राह, समय पर मिल रहे जरूरी प्रमाण पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु योजना प्रदेश में नागरिक सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से आय, जाति, निवास सहित विभिन्न आवश्यक प्रमाण पत्रों और शासकीय सेवाओं की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सहज हो गई है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है।सूरजपुर जिले के ग्राम कमलपुर निवासी श्री सुशील सिंह इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं। उन्होंने अपनी पुत्री अनीता सिंह के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन किया। पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि होती थी। लेकिन सेवा सेतु के जरिए आवेदन की प्रक्रिया सरल होने से उनका आवेदन निर्धारित समय में निराकृत हुआ और उन्हें आय प्रमाण पत्र आसानी से प्राप्त हो गया। सुशील सिंह ने बताया कि समय पर प्रमाण पत्र मिलने से उनकी पुत्री के शैक्षणिक एवं अन्य शासकीय कार्य बिना किसी परेशानी के पूरे हो सकेगे।

बिलासपुर में 5 करोड़ की चोरी की खबर निकली भ्रामक, तीन नाबालिग अभिरक्षा में

रायपुर। नेहरू नगर में कारोबारी के सूनै मकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में करीब 5 करोड़ रुपये की चोरी की खबर को भ्रामक और निराधार बताया गया है। सिविल लाइन पुलिस और,ष्ट्र की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन विधि से संघर्षरत बालकों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 1.06 लाख रुपये से अधिक नकद, सोने–चांदी के जेवरात सहित चोरी का अन्य सामान बरादाद किया गया है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ, यही सुशासन की कसौटी–मुख्यमंत्री साय

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा साकार

■ मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए विकास के स्पष्ट मंत्र

■ विकसित भारत जी राम जी योजना, लखपति दीदी, पीएम आवास और पीएम सूर्यधर योजना को गांव–गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव

अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायत का त्वरित समाधान

■ सोलर पंप चालू होने से लौटी खेतों की रौनक

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है। इसी कड़ी में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।कोरवा के विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम अरसियां निवासीकृष्ण राम के खेत में सीएम सुजला योजना के तहत स्थापित सोलर पंप अचानक तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गया था। पंप के बंद होने से सिंचाई कार्य प्रभावित होने लगा और खेती-किसानी में परेशानी उत्पन्न हो गई। अपनी समस्या के समाधान के लिए राम ने सीएम हेल्पलाइन

आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बनें, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों का विश्वास जीतना होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं की वास्तविक सफ़लता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव का प्रत्येक नागरिक स्वयं विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बने। उन्होंने प्रत्येक जिले में



ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ–साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण

वन विभाग के चपरासी की नाइट ड्यूटी के दौरान सद्विध मौत, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। वन विभाग में पदस्थ लिंगम चंदू चपरासी की नाइट ड्यूटी के दौरान सद्विध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि मृतक वन विभाग परिसर में रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात था। सुबह कर्मचारी जब परिसर पहुंचे तो वह अचेत अवस्था में जमीन पर पड़ा मिला। तत्काल इसकी सूचना पुलिस और विभागीय अधिकारियों को दी गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फ्लिहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

अगले 3 दिन फिर बरसेंगे बादल,अनेक स्थानों हल्की और मध्यम बारिश.....

रायपुर। राजधानी रायपुर में दो दिन से बारिश थमने पर दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री पर पहुंच गया है। यह सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। बारिश के सीजन में भी रायपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म रहा। मौसम विभाग के अनुसार खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके असर से अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। कहीं–कहीं भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।रायपुर में पिछले 48 घंटे में केवल बूंदबांदी हुई है। यही कारण है कि तेज धूप के कारण पारा चढ़ गया है। रात का तापमान भी 25.2 डिग्री पर पहुंच गया है। यह सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में लटोरी में 3, माकड़ी, बिहारपुर, धनोरा, कुसमी व पथलगांव में 2–2 सेमी पानी गिरा है। मैंनपाट, लालबहादुर नगर, सीतापुर, पोड़ी उपरोड़ा में एक–एक सेमी बारिश हुई है। प्रदेश में सामान्य से 19 फीसदी कम बारिश हुई है। हालांकि इसे सामान्य माना जाता है। मौसम विभाग 20 फीसदी तक कम बारिश को सामान्य मानता है।मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पांच दिनों तक बारिश का मुख्य असर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में देखने को मिलेगा। इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है।

आईआईटीएम बेंगलुरु में छत्तीसगढ़ पर्यटन का दमदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त हुई प्रदेश की पहचान

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने निवेश,

■ जनजातीय विरासत और प्राकृतिक पर्यटन का किया प्रभावी प्रदर्शन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं जनजातीय पर्यटन विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में भारत के प्रतिष्ठित पर्यटन



व्यापार मेले इंडिया इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट (आईआईटीएम) बेंगलुरु में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करते हुए प्रदेश की समृद्ध पर्यटन संभावनाओं, निवेश के अवसरों और विशिष्ट पर्यटन उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया। इस सहभागिता ने छत्तीसगढ़ को देश के उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा

में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदान की। आईआईटीएम बेंगलुरु में आयोजित इस प्रतिष्ठित आयोजन में कर्नाटक के ऊर्जा एवं पर्यटन मंत्री श्री के. जे. जॉर्ज की गरिमामयी उपस्थिति रही। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की उप महाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश की पर्यटन नीति, पर्यटन अधोसंरचना, निवेश की संभावनाओं तथा

विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर कर्नाटक पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के स्टॉल का अवलोकन किया तथा पर्यटन निवेश, सांस्कृतिक पर्यटन, जनजातीय पर्यटन, इको–टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। श्रीमती पूनम शर्मा ने बस्तर के एथनिक ट्राइबल टूरिज्म, विश्वप्रसिद्ध घड़वा शिल्पकला, रामनामी समुदाय की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा, इको–टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन तथा छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की विशेषताओं से उपस्थित प्रतिनिधियों और पर्यटन व्यवसायियों को अवगत कराया। उन्होंने देशभर से आए टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों एवं पर्यटन विशेषज्ञों को छत्तीसगढ़ भ्रमण के लिए आमंत्रित करते हुए प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन सुविधाओं की जानकारी भी साझा की।



के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना तथा खाद्य विभाग की सार्वजनिक वितरण

मत्स्य पालन तथा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग ही स्थायी विकास का आधार है। उन्होंने प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार करने तथा वर्षा जल संवयन एवं भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। छत्तीसगढ़ में अब तक 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार उन्हें उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर बड़ी संख्या में करोड़पति दीदी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं की पहचान कर उन्हें स्व–सहायता समूहों, कौशल विकास, आजीविका गतिविधियों और नई औद्योगिक नीति से उत्पन्न अवसरों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर संभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में विकास कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जाएं।

महतारी वंदन योजना से मुस्कुराए घर–आंगन

आर्थिक संबल से सशक्त हो रही प्रदेश की महिलाएं

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को मिल रही नई दिशा

■ नियमित आर्थिक सहायता और खाद्यान्न योजना से मजबूत हो रहे परिवार

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं

पीएम सूर्य घर योजना से राजेंद्र कुमार साहू बने ऊर्जा आत्मनिर्भर



■ छत पर लगवाया 3 केव्ही सोलर प्लांट, अब हर महीने होगी बिजली बिल में भारी बचत

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी ‘पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना’ लोगों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और बिजली बिल से राहत दिलाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। इसी योजना का लाभ मध्यम से विद्युत ग्रिड में चली रोड निवासी राजेंद्र कुमार साहू ने अपने घर की छत पर 3 केव्ही क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया है। जुलाई माह में प्लांट स्थापित होने के बाद अब उन्हें हर महीने बिजली बिल में बड़ी बचत का लाभ मिलेगा।सोलर प्लांट लगने से पहले राजेंद्र साहू के घर का औसत बिजली बिल लगभग 1,300 प्रति माह आता था, जबकि गर्मियों में यह बढ़कर 2,000 से 3,000 तक पहुंच जाता था। अब सोलर प्लांट चालू होने के बाद उनका बिजली बिल लगभग शून्य या केवल न्यूनतम फिक्स्ड चार्ज तक सीमित रहने की संभावना है। 3 केव्ही क्षमता का सोलर प्लांट प्रतिमाह औसतन 300 से 360 यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा।

इससे पहले बिजली बिल पर होने वाला लगभग 1,300 प्रति माह का खर्च बचेगा। इस प्रकार उन्हें सालाना लगभग 15,000 से 18,000 तक की सीधी आर्थिक बचत होगी।राजेंद्र साहू को पीएम सूर्य घर योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 1,08,000 की सब्सिडी सीधे बैंक खाते में प्राप्त हुई। इस सब्सिडी से सोलर प्लांट की स्थापना लागत में उल्लेखनीय कमी आई और योजना का लाभ लेना आसान हो गया।यदि सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली का पूरा उपयोग घर में नहीं हो पाता है, तो अतिरिक्त बिजली नेट मीटरिंग के माध्यम से विद्युत ग्रिड में चली जाएगी। इसके बदले बिजली विभाग द्वारा आगामी बिलों में क्रेडिट अथवा समायोजन का लाभ मिलेगा, जिससे उपभोक्ता की बचत और अधिक बढ़ेगी। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। यह स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। राजेंद्र साहू ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाकर सभी नागरिक अपनी छतों पर सोलर प्लांट लगावाएं। इससे बिजली बिल में बड़ी बचत होगी, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और हर परिवार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा।



संपादकीय

संसद का काम जनहित से जुड़े मसलों पर मंथन कर उन्हें निर्णायक रूप देने का होता है, मगर जब सदन में कोई कामकाज ही नहीं होगा, तो फिर उसके मूल उद्देश्य की पूर्ति कैसे हो पाएगी। प्रवेश परीक्षाओं की प्रणाली में सुधार और जाबबदेही तय करने का मुद्दा अब सड़क से लेकर संसद तक पहुँच गया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है और संसद के दोनों सदनों में विपक्ष इस मसले को जोर-शोर से उठा रहा है।

संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।यह सच है कि देश का संविधान हर नागरिक को इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन या किसी संस्था की नीतियों और निर्णयों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना असंतोष और मांग जाहिर कर सकता है। ऐसे में क्या वजह रही कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं से संवाद के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग करने को ही अंतिम विकल्प मान लिया

सड़कों से संसद तक गूंजा स्टूडेंट्स का आक्रोश, समाधान कब?

गया !क्या यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं है कि प्रदर्शनकारी युवाओं की मांग पर विचार किया जाए और समाधान का कोई रास्ता निकाला जाए? यही नहीं, संसद में इस मुद्दे पर बने गतिरोध से जो कीमती समय बर्बाद हो रहा है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? संसद का काम जनहित से जुड़े मसलों पर मंथन कर उन्हें निर्णायक रूप देने का होता है, मगर जब सदन में कोई कामकाज ही नहीं होगा, तो फिर उसके मूल उद्देश्य की पूर्ति कैसे हो पाएगी।

दरअसल, नीट में गड़बड़ियों को लेकर काकोरोच जनता पार्टी (काजपा) की ओर से जंतर-मंतर पर पिछले कई दिनों से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे और प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं।इस मामले ने बीते शनिवार को तब तूल पकड़ा, जब बीस दिनों से अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोमन वांग्चुक को पुलिस ने जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया। इसे

युवाओं के आंदोलन की आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में देखा गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के संसद मार्च के दौरान सुरक्षा बलों के बल प्रयोग से स्थिति बिगड़ गई और कई जगह दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़पें हुई। मगर अहम सवाल यह है कि यह नौबत आने ही क्यों दी गई? सरकार ने समय रहते प्रदर्शनकारी युवाओं से बातचीत कर उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश क्यों नहीं की? जाहिर है, अगर सरकार की ओर से यह पहल

की जाती, तो प्रदर्शनकारियों के संसद तक मार्च को टाला जा सकता था। प्रदर्शनकारी युवा अब भी जंतर-मंतर पर डटे हुए हैं और वे अपनी मांगों पर अडिग हैं। वहां ज्यादा भीड़ जमा न हो, इसके लिए बुधवार को सुरक्षा कार्यों का हवाला देते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने सत्रह स्टेशनों को बंद कर दिया। मगर इसका खमियाजा उन सैकड़ों यात्रियों को भी भुगतना पड़ा, जो अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए मेट्रो से सफर करते हैं।

तत्काल स्वास्थ्य लाभ के चक्कर में डॉक्टर शॉपिंग का नया चलन

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

डॉक्टर शॉपिंग के इस दौर में अन्य चिकित्सक की विशेषज्ञ सलाह लेने और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करना होगा। अन्य विशेषज्ञ की सलाह को तो ईलाज कर रहे चिकित्सक की विश्वास में लेकर लेने से ईलाज में और अधिक सकारात्मकता आती है पर बार बार चिकित्सक बदलना उचित नहीं माना जा सकता।

समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता।

देखा जाए तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरूप महानगरों में डॉक्टर शॉपिंग का नया ही चलन चलने लगा है। खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते। चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्रार्थमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा। बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मान लो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हालांकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शॉपिंग का एक नया रुप डॉक्टर शॉपिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है।

डॉक्टर शॉपिंग का कंसेप्ट बीसवीं सदी में नशीली दवाओं की प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयासों के लिए चलन में आया था। नशीली दवाओं के आदतन लोग एक से दूसरे डॉक्टर के पास परचा लिखवाने इसलिए जाते थे ताकि नशीली दवाओं का संग्रह कर सके। क्योंकि नशीली दवा एक सीमा तक ही मिलती

थी और बिना चिकित्सक के परचे के मिलना लगभग मुश्किल होता था। यही कारण है कि देश और विदेश में नित नए डॉक्टर से परचा लिखवाना और केमिस्ट से दवा प्राप्त करना आम होता जा रहा था। खासतौर से रोक वाली दवाओं को लेकर के यह प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। हालांकि इस प्रवृति को रोकने के लिए कई देशों में कानूनी प्रयास किये गए और कुछ हद तक इस पर अंकुश भी लग सका। अमेरिका जैसे देश में इसके लिए डॉक्टर शॉपिंग लॉ जैसी व्यवस्था की गई। खेर अब चिकित्सा सुविधा के विस्तार और सहजता के साथ ही डॉक्टर शॉपिंग का कंसेप्ट बदलता जा रहा है।

हो यह रहा है कि जब कोई मरीज यह महसूस करता है कि चिकित्सक की दवा से उसकी बीमारी में तेजी से सुधार नहीं हो रहा तो वह ईलाज के बीच ही दूसरे डॉक्टर की शरण में चले जाता है। खासतौर से यह प्रवृति महानगरों और बड़े शहरों में अधिक तेजी से फैल रही है। इसका कारण यह है कि आज सलाहकारों की लंबी फीज होने के साथ ही रोगी या रोगी के परिजन मैजिक टच की सोच रखने लगे हैं। दूसरा यह कि अब चिकित्सा सुविधा का भी तेजी से विस्तार हुआ है। निजी और सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा की सहज उपलब्धता होने के साथ ही मेडिकलेम जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगी है। सरकारी और निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण भी यह होने लगा है। बीमारी चाहे सामान्य हो या गंभीर तत्काल सुधार नहीं दिखने पर दूसरे डॉक्टर को दिखाने चले जाते हैं और डाक्टर बदलने का तत्काल जो प्रभाव पड़ता है वह रीसेट बटन होता है यानी कि दूसरा डॉक्टर फिर अपने तरीके से पहले जाँचों का सिलसिला आरंभ करते हैं क्योंकि पहले की डॉक्टर द्वारा कराई गई जांचों में किसी ना किसी तरह की कमी या अन्य कारण बता कर दुबारा से जांचे करवानी पड़ती है। इसके लिए रक जांच से लेकर रोग के अनुसार एक्सरे, एमआरआई या अन्य तरह की जांचें भी हो सकती है। इससे बार बार जांच और एक्सरे किरणों के साथ ही मेडिकल हो जांचे रुपये पैसे का भार भी पड़ता है। एक तरह से बीमारी के पहचान की नए सिरे से प्रक्रिया आरंभ होती है। दवा का नया सिलसिला आरंभ होता है और पूर्व में चल रही एंटीबायोटिक या अन्य दवाओं के स्थान पर जेनेरिक दवाओं के ही दूसरे ब्राण्ड की दवा दी जाती है व कई बार तो पॉली फार्मसी जैसी स्थिति हो जाती है। दवाओं के असर पर विपरीत प्रभाव की संभावनाओं से भी नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सुधार के स्थान पर जटिलताओं की संभावनाओं से नहीं नकारा जा सकता।

शतकीय यात्रा पर भारतीय प्रसारण

(उमेश चतुर्वेदी)

इसे संयोग ही कहेंगे कि जब रेडियो प्रसारण तकनीक का आविष्कार हुआ, उन दिनों देश गुलामी की जंजीरों से बंधा था। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में भी प्रसारण की प्रेरणा ब्रिटेन से मिली। रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था।

आज का दिन भारतीय प्रसारण के इतिहास में विशेष महत्व है। ठीक 99 साल पहले 23 जुलाई 1927 को मुंबई में भारत में पहले व्यवस्थित और संस्थानिक प्रसारण की शुरुआत हुई थी। इस लिहाज से भारतीय प्रसारण आज से अपनी शतकीय सोपान की ओर बढ़ रहा है। इस शतकीय यात्रा में रेडियो की तकनीक में बहुत बदलाव हुआ है। पारंपरिक मीडियम वेब से लेकर शॉर्ट वेब होते हुए रेडियो अब एफएम यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल के साथ ही डिजिटल दौर में प्रवेश कर गया है। मीडिया के चरित्र में भी सौ साल में बहुत बदलाव हो गया है, लेकिन रेडियो आज भी संवाद और मनोरंजन के सहज संचार माध्यम के रूप में जिंदा है। आसानी से हर जगह उपलब्धता और विशेष तकनीक की वजह से आपदा के क्षणों में संचार के दूसरे माध्यमों की तुलना में रेडियो अब भी सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम बना हुआ है। समुद्री दुर्घटना, सुनामी, कश्मीर घाटी की बाढ़ आदि मौकों पर संवाद के लिए रेडियो ने अपनी ताकत और उपादेयता को बार-बार साबित किया है। देश से माओवादी और नक्सली आतंक का ख़ात्मा हो चुका है, लेकिन एक दौर में विशेषकर बस्तर के नक्सली इलाकों में नक्सलियों से संवाद के लिए रेडियो का ही इस्तेमाल किया जाता था। इसे संयोग ही कहेंगे कि जब रेडियो प्रसारण तकनीक का आविष्कार हुआ, उन दिनों देश गुलामी की जंजीरों से बंधा था। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में भी प्रसारण की प्रेरणा ब्रिटेन से मिली। रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था। हालांकि ब्रिटेन में इसके पहले ही निजी और शीकिया प्रसारण की शुरुआत हो चुकी थी। इसका असर भारत पर भी पड़ा। भारत में भी 1920 से 1926 के बीच तत्कालीन बंबई और कलकत्ता में रेडियो क्लबों की शुरुआत हुई। उन क्लबों ने अपने तरीके से प्रसारण के किंचित सफल और ज्यादातर असफल प्रयास भी किये। उन दिनों भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन थे। अखबारों की तुलना में रेडियो प्रसारण की अहमियत और प्रभाव को इर्विन समझते थे। शायद यही वजह रही कि भारत में 1926 में गठित इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक बांबे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब ने जून 1923 में पहला रेडियो प्रसारण किया। इसके करीब पांच महीने बाद नवंबर 1923 में कलकत्ता रेडियो क्लब की स्थापना हुई। ऐसे ही प्रयास तत्कालीन मद्रास में भी हुए। लेकिन पहला व्यवस्थित और संस्थानिक रेडियो प्रसारण इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने 23 जुलाई 1927 को मुंबई से किया था। इसी वजह से भारत हर साल 23 जुलाई को प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके महीनेभर बाद 26 अगस्त 1927 को कलकत्ता से बांग्ला में प्रसारण शुरू हुआ।

इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी छह लाख की पूंजी से शुरू की गई थी। कंपनी ने रेडियो प्रसारण के लिए अग्र्रेज सरकार से 13 सितंबर 1926 को करार हुआ, जिसके तहत उसने प्रसारण शुरू किया। कंपनी को पूंजी में से साढ़े चार लाख दोनों रेडियो केंद्रों की स्थापना में ही खर्च हो गए। तब आमदनी का स्रोत



रेडियो लाइसेंस फीस थी, जो प्रति रेडियो दस रूपए थी। बहुत कोशिशों के बावजूद सिर्फ आठ हजार ही लाइसेंस दिए जा सके। तब प्रसारण डेढ़-डेढ़ किलोवाट के ट्रॉसमीटरों से बमुश्किल तीस मील के ही दायरे में हो पा रहा था, लिहाजा रेडियो का प्रसार नहीं बढ़ा। कंपनी को रेडियो प्रसारण के लिए बड़ी रकम खर्च करनी पड़ रही थी। लिहाजा यह कंपनी 1930 में ही बंद हो गई। भारत में आधुनिक प्रसारण की ठोस बुनियाद

के रूप में मिलता है। वैसे आकाशवाणी के नाम से मैसूर के विद्वान एमवी गोपालस्वामी ने 10 सितंबर 1935 से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। यह प्रसारण केंद्र मैसूर राजमहल से कुछ सौ मीटर दूर स्थित है। आकाशवाणी का जिफ़ 1938 में कलकत्ता में शॉर्ट वेब के प्रसारण की शुरुआत के वक्त भी हुआ। तब प्रसारण के लिए ऑल इंडिया रेडियो ने गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर से एक कविता मांगी थी। टैगौर ने बांग्ला की जो कविता दी, उसमें रेडियो के लिए आकाशवाणी शब्द का प्रयोग हुआ है।

इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय देश में रेडियो का विस्तार हो रहा था, उन्हीं दिनों स्वाधीनता आंदोलन चरम पर था। उसी दौरान 1942 में डॉक्टर राममनोहर लोहिया और ऊषा मेहता की अगुआई में मुंबई से कांग्रेस रेडियो और रंगून से सुभाष चंद्र बोस ने आजाद रेडियो का प्रसारण शुरू किया। बोस जहां अपने रेडियो के जरिए भारतीय जनता से संवाद कर रहे थे, वहीं कांग्रेस रेडियो भूमिगत ढंग से चलाया जा रहा था। जिसके जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्वतंत्रता आंदोलनकारियों को सूचनाएं दी जा रही थीं। उन्हीं दिनों अंग्रेज सरकार ने देश में नौ रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किए। ये केंद्र दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, लखनऊ, त्रिचिरापल्ली, चेन्नई, ढाका, पेशावर और लाहौर में थे। बंटवारे के बाद भारत के हिस्से छह रेडियो स्टेशन आए, जबकि पाकिस्तान को ढाका, पेशावर और लाहौर स्टेशन

मिले। आजादी के बाद देश के पहले सूचना और प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को मिली। उन्हें रेडियो की महत्ता का भान था। इसीलिए उन्होंने रेडियो के तेज विकास की नींव रखी। आजादी के बाद पहला रेडियो स्टेशन 16 जुलाई 1948 को शुरू हुआ। जिसका उद्घाटन पटेल ने किया था। स्वाधीन भारत में रेडियो का चरित्र और लक्ष्य क्या होगा, इसका संकेत सरदार पटेल के उस उद्घाटन भाषण में दिखता है। सार्वजनिक प्रसारक के रूप में रेडियो के लक्ष्य को एक तरह से मद्रास प्रांत के तत्कालीन प्रीमियर श्री राजगोपालाचारी ने 1938 में ही रख दिया था। 16 जून 1938 को मद्रास रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हुए राजगोपालाचारी ने रेडियो को लोक जागरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया था। इसके साथ ही उन्होंने संचार के तेज माध्यम के रूप में रेडियो का शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि संबंधी जानकारी देने के लिए करने पर जोर दिया था। यहां यह बातना जरूरी नहीं है कि सार्वजनिक प्रसारक के रूप में रेडियो आज भी यह भूमिका बखूबी निभा रहा है। भारतीय इतिहास में रेडियो कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह रहा है। तीन जून 1947 को भारत विभाजन की योजना की दश को जानकारी रेडियो के जरिए ही मिली। तब माउंट बेटन, नेहरू, जिन्ना और सरदार बलदेव सिंह ने रेडियो के ही माध्यम से अपने विचार रखे थे। 14-15 अगस्त 1947 की दरम्यानी रात को भारत की आजादी के बाद नेहरू के प्रसिद्ध भाषण ‘ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी’ को देश ने रेडियो के जरिए सुना था।

भारत दुनिया भर के दंपतियों के लिए किराए की कोख का एक बड़ा व्यावसायिक केंद्र बनता जा रहा है।

दरअसल, जो सुविधा वास्तविक जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई थी, वह अमीर दंपतियों के लिए शौक में बदलती जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार के बाद भारत में प्रजनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसमें किराए पर कोख दिए जाने का व्यवसाय भी शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के बहाने विदेशी पर्यटक प्रसूति पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं। यह तथ्य है कि पिछले कुछ बरसों में देश में कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों की संख्या 35 से 50 फीसदी बढ़ गई है। इसी अनुपात में कृत्रिम गर्भाधान के नाम पर जालसाजी बढ़ी है।



पास कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों के संचालन और नवीनीकरण संबंधी जानकारी हर वक्त सामने होगी। इससे अनियमितता को आसानी से चिह्नित कर लिया जाएगा। क्लीनिक के पास वैध दस्तावेज हैं या नहीं, इसकी भी पुख्ता जानकारी मिलती रहेगी। कोई भी कमी पाए जाने पर संस्था को प्रतिबंधित किया जा सकेगा। इन केंद्रों में कर्मचारियों से लेकर बच्चों के जन्म तक की

गर्भाधान केंद्रों की संख्या 35 से 50 फीसदी बढ़ गई है। इसी अनुपात में कृत्रिम गर्भाधान के नाम पर जालसाजी बढ़ी है। हैदराबाद में ऐसा गिरोह पकड़ा गया, जो दो लाख से चार लाख रुपये में कोख किराए पर लेकर उसे 30 लाख रुपये तक में बेच देता था। यहां तक कि विदेश से भी शुक्राणु दानदाता लाए गए। यानी देश के बाहर भी बच्चे बेचे गए।

हालांकि, वर्ष 2025 में सरकार ने शुक्राणु दाता नियमों में बदलाव किया था, लेकिन कारोबारियों ने नियमों की अनदेखी की। नाबालिग और अविवाहित लड़कियों की कोख का भी अवैध इस्तेमाल किया गया। भारत में कोख किराए पर लेने का खर्च 10 से 25 लाख रुपये है, जबकि विदेश में 80 लाख से डेढ़ करोड़ रुपये तक है। इसलिए ‘सरोग्रेसी क्लीनिक’ में किराए की कोख अवैध कारीबार का बड़ा धंधा बनती जा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु में अनेक मामले सामने आए, जिनमें उगी की गई। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सरकार को नियमों में बदलाव करना पड़ा। इसके पहले 2025 में सम्लैंगिक युगलों को किराए की कोख के जरिए माता-पिता बनने का अधिकार देने से मना कर दिया गया था।

अब ऑनलाइन जानकारी होने से निगरानी तंत्र के

सरोग्रेसी के बहाने चल रहे कारोबार पर सरकार का बड़ा प्रहार, नए नियमों से बढ़ेगी पारदर्शिता

(प्रमोद भार्गव)

कृत्रिम गर्भाधान ने आज जिस तरह व्यवसाय का रूप ले लिया है, वह चिंता का विषय है। मगर अब केंद्र सरकार ‘किराए की कोख’ के नाम पर चल रहे कारोबार पर अंकुश लगाने जा रही है। इसके बाद उम्मीद की जा सकती है कि किराए की कोख उपलब्ध कराने के नाम पर चल रही मनमानी पर लगाम लगेगी।

दरअसल, ‘सरोग्रेसी सेंटर्स’ में काफी समय से चल रहे फजीवाड़े को रोकने के लिए सरकार ने इसमें पंजीयन और संचालन नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत इन केंद्रों को नियंत्रित किया जाएगा। अब किराए की कोख के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार होंगे। इनकी कड़ी निगरानी होगी। कागजी आवेदन करने की सुविधा प्रतिबंधित कर दी गई है। ‘सरोग्रेसी क्लीनिक’ जरूरतमंद लोगों को इतनी सहजता से यह सुविधा नहीं दे सकेंगे। केंद्र सरकार ने नए नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं।

किराए की कोख के कानून में परिवर्तन इसके बढ़ते व्यापार पर लगाम लगाने के लिए किया गया है। अब केवल निस्तान दंपति, जो बच्चे पैदा करने में शारीरिक रूप से अक्षम हैं, वे अपने किसी करीबी रिश्तेदार की मदद ले सकते हैं। इस सुविधा को कानूनी भाषा में ‘अल्ट्राइंस्टिक सरोग्रेसी’ कहा जाता है।

भारत दुनिया भर के दंपतियों के लिए किराए की कोख का एक बड़ा व्यावसायिक केंद्र बनता जा रहा है। दरअसल, जो सुविधा वास्तविक जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई थी, वह अमीर दंपतियों के लिए शौक में बदलती जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार के बाद भारत में प्रजनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसमें किराए पर कोख दिए जाने का व्यवसाय भी शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के बहाने विदेशी पर्यटक प्रसूति पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं।

यह तथ्य है कि पिछले कुछ बरसों में देश में कृत्रिम

स्थिति में वैवाहिक जोड़ा किराए की कोख की मदद ले सकता है।

कानून के अनुसार यह भी बाध्यकारी शर्त है कि किराए की कोख देने वाली महिला एक तो विवाहित होनी चाहिए और दूसरे, कम से कम उसका एक बच्चा भी हो। पति की आयु 26 से 55 वर्ष और पत्नी की आयु 23 से 50 वर्ष के बीच होना जरूरी है।

भारत में किराए की कोख का कारोबार अरबों डॉलर का हो गया है, लेकिन यह धंधा अंततः स्त्री की कोख पर टिका है। ठीक उसी तरह, जिस तरह उदारवादी अर्थव्यवस्था प्रकृति के गर्भ में समाई खनिज संपदाओं के दोहन पर टिकी है। इस व्यवसाय की कीमत उन महिलाओं को चुकानी पड़ी है, जिन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए घर हाल में धन की जरूरत रहती है। इसलिए वर्ष 2016 में प्रजनन सहायक तकनीक विधेयक लाकर केंद्र सरकार ने इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने की पहल कर दी थी। मगर इस कानून से उन्हें परेशानी है, जिन्होंने स्त्री की आर्थिक कमजोरी का फायदा उठाकर उसकी कोख को बाजार के हवाले कर दिया है। वे यह भी दलील दे रहे हैं कि कठोर कानून से विदेशी मुद्रा का आगमन रुक जाएगा।

गौरतलब है कि जैविक माता-पिता के शुक्राणु और अंडाणु को परखनली में निषेचित करने के बाद जब भ्रूण पनप जाता है, तब उसे अन्य स्त्री की कोख में प्रत्यारोपित किया जाता है। गर्भाधान का यही तरीका अपनाया जाता है। मगर इसका शरीर पर विपरीत असर पड़ता है। इसके गर्भपात होने की 80 फीसदी आशंका रहती है। ऐसी 90 फीसदी प्रसूतियां शाल्य किया के जरिए होती हैं। ऐसे में महिला की जान का जोखिम भी बना रहता है। कोख किराए पर देने वाली महिला का न तो कोई बीमा होता था, न ही उसके बच्चों की कोई गारंटी लेता था। इस संदर्भ में यह भी बड़ा सवाल था कि जैविक अभिभावक यदि जन्मे बच्चे को छोड़कर भाग जाते हैं।



196वीं बटालियन सीआरपीएफने मनाया 88वां स्थापना दिवस, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महादेव घाटी मुख्यालय सहित सभी कंपनियों में हुए कार्यक्रम, वृक्षारोपण और खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन

बीजापुर। महादेव घाटी स्थित 196वीं बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में सोमवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 88वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ सैनिक सम्मेलन, वृक्षारोपण, खेलकूद प्रतियोगिताएं और सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश ने की। इस दौरान उप कमांडेंट गुलशन तिकी, चिकित्साधिकारी डॉ. शुभम नितिन पवार सहित अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद क्रांटी गार्ड पर सलामी समारोह आयोजित हुआ, जिसमें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न पदकों से सम्मानित सीआरपीएफ कर्मियों के नाम पढ़कर सुनाए गए।सैनिक सम्मेलन में अधिकारियों और जवानों को सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की



परंपराओं से अवगत कराया गया। इसके बाद कैप परिसर के बाहर औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर जवानों में उत्साह, शारीरिक दक्षता और टीम भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर बधाई दी गई। इस अवसर पर 196वीं बटालियन के कमांडेंट कुमार मनीष को नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ एफओबी के लिए सम्मानित किए जाने की जानकारी भी साझा की गई, जिसे बटालियन की उपलब्धि के रूप में देखा गया। महादेव घाटी मुख्यालय के

अलावा बटालियन की सभी कंपनियों में भी स्थापना दिवस मनाया गया। ए/196 नाम्बी में सहायक कमांडेंट हरीश कुमार, जी/196 पुजारीकांकेर में निरीक्षक प्रमुख सरानिया, बी/196 ताड़पाला घाटी में द्वितीय कमान अधिकारी गोपाल सिंह बुनकर के नेतृत्व में कार्यक्रम हुए। यहां उप कमांडेंट कुणाल किशोर और सहायक कमांडेंट तरुण कुमार मीणा भी मौजूद रहे। वहीं एफ/196 ताड़पाला में सहायक कमांडेंट विनोद कुमार, डी/196 कठुआ (जम्मू-कश्मीर) में निरीक्षक रजनीकांत रावत तथा सी/196 ईस्ट यमुना पार (दिल्ली) में सहायक कमांडेंट अनिल कुमार के नेतृत्व में भी स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों और जवानों ने सामूहिक भोज में शामिल होकर संगठनात्मक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। स्थापना दिवस पर पूरे आयोजन के माध्यम से सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास, शहीदों के सर्वोच्च बलिदान तथा राष्ट्रसेवा के मूल्यों को स्मरण किया गया।

सीआरपीएफकी 85वीं बटालियन ने मनाया 88वां स्थापना दिवस, शहीदों को श्रद्धांजलि देकर लिया राष्ट्रसेवा का संकल्प

बीजापुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 85वीं बटालियन ने सोमवार को नयापारा स्थित मुख्यालय तथा दूरस्थ अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में तैनात अपनी कंपनियों में 88वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया। इस अवसर पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही राष्ट्रसेवा, नक्सल विरोधी अभियानों में प्रभावी भूमिका और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।



स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत नयापारा स्थित बटालियन मुख्यालय में कमांडेंट सुनील कुमार राही, अधिकारियों और जवानों द्वारा देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद कमांडेंट को क्रांटी गार्ड पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया तथा अधिकारियों और जवानों के बीच मिठाइयां वितरित कर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर

पर आयोजित विशेष सैनिक सम्मेलन में कमांडेंट सुनील कुमार राही ने अधिकारियों और जवानों से संवाद किया, उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा केन्द्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में पदक प्राप्त अधिकारियों और जवानों को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन में सीआरपीएफ की स्थापना से अब तक की उपलब्धियों, समाज सेवा में योगदान तथा भविष्य में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और नक्सल विरोधी अभियानों में सक्रिय सहभागिता बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम और सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। समारोह के समापन पर कमांडेंट सुनील कुमार राही ने अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीआरपीएफ सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन निरंतर करती रहेगी।कार्यक्रम के सफ्त आयोजन में द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश उरांव, उप कमांडेंट मोतीलाल एवं ज्योति प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार और डॉ. स्वाती जायसवाल, सहायक कमांडेंट कुलदीप सिंह सहित अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बीजापुर को मिले नए पुलिस कप्तान, उमेश प्रसाद गुप्ता ने संभाला कार्यभार

बीजापुर। जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में उमेश प्रसाद गुप्ता ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर कानून व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रारंभिक चर्चा की।पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नए एएसपी का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।उमेश प्रसाद गुप्ता इससे पहले रायपुर के मध्य जोन में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर पदस्थ थे। बीजापुर जिले की कमान संभालने के बाद उन्होंने अधिकारियों से परिचय



प्राप्त करते हुए जिले की वर्तमान परिस्थितियों और पुलिस व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही जिले में कानून व्यवस्था

को प्रभावी बनाए रखने और पुलिसिंग को और मजबूत करने की दिशा में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रारंभिक मंथन भी किया।

बस्तर में 'तीसरी आंख' बंद, महीनों से खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों ने बढ़ाई सुरक्षा की चिंता खैरगुड़ा बाइक चोरी केस में सरकारी फुटेज नहीं मिली, पुलिस निजी कैमरों से जुटा रही साक्ष्य

बस्तर। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे अब पुलिस की निगरानी व्यवस्था की सबसे कमजोर कड़ी बन गए हैं। कई थाना और चौकी क्षेत्रों में कैमरे लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिसका असर अपराधों की जांच पर सीधे तौर पर पड़ रहा है। भानपुरी थाना क्षेत्र के खैरगुड़ा में हाल ही में हुई बाइक चोरी की घटना इसका ताजा उदाहरण है। जांच के दौरान पुलिस को सरकारी सीसीटीवी से कोई उपयोगी फुटेज नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस टीम को आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों में लगे निजी कैमरों की मदद लेनी पड़ी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अगर सरकारी कैमरे समय पर चालू होते तो आरोपी तक पहुंचने में समय नहीं लगता। जिले के विभिन्न थाना-चौकी क्षेत्रों की स्थिति का



जायजा लेने पर घोटिया चौकी क्षेत्र में अधिकांश कैमरे खराब मिले। घोटिया चौकी प्रभारी वेदलाल नाग ने बताया कि पिछले दिनों क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने और तेज बिजली चमकने के कारण सभी सीसीटीवी कैमरे खराब हो गए थे। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसी को मरम्मत के लिए सूचना दे दी गई है और जल्द ही सभी कैमरों को दुरुस्त कर चालू करा दिया जाएगा।वहीं

बस्तर थाना क्षेत्र में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर बताई जा रही है। बस्तर थाना प्रभारी सुरेश कुमार जांगड़े ने कहा कि उनके थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी सीसीटीवी कैमरे वर्तमान में चालू स्थिति में हैं। उन्होंने यह भी बताया कि थोड़े चौक में लगे कैमरों की कार्यशीलता की तकनीकी जांच भी कराई जा रही है ताकि निगरानी में किसी तरह की चूक न हो।लोहंडीगुड़ा थाना प्रभारी रवि बैगा

ने बताया कि उनके थाना क्षेत्र में लगे कैमरे संचालित हैं और रिकॉर्डिंग भी हो रही है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि लामड़ागुड़ा चौक जैसे व्यस्त स्थान पर अभी तक पुलिस प्रशासन की ओर से सीसीटीवी कैमरे स्थापित नहीं किए गए हैं। यह चौक नेशनल हाईवे 30 से जुड़ा होने के कारण यहां आवागमन अधिक रहता है और निगरानी की जरूरत भी महसूस की जा रही है।भानपुरी थाना क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को सुधारने के लिए सकारात्मक पहल हुई है। थाना प्रभारी हर्ष कुमार धुरंधर ने बताया कि पुलिस प्रशासन और स्थानीय व्यापारी संगठन के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में खराब पड़े कैमरों की मरम्मत कराई गई है। इसके साथ ही संवेदनशील स्थानों पर नए कैमरे भी लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को लगातार

सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और आमजन में सुरक्षा का भाव बढ़े।बड़ौजा थाना प्रभारी से इस संबंध में संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।इधर जिले के नागरिकों ने मांग की है कि सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों का तकनीकी सर्वे कराया जाए। उनका कहना है कि जो कैमरे बंद हैं उन्हें तत्काल ठीक किया जाए और जिन चौक चौराहों में सार्वजनिक स्थानों पर अभी तक कैमरे नहीं लगे हैं वहां नए कैमरे स्थापित किए जाएं। लोगों का मानना है कि प्रभावी निगरानी व्यवस्था से न केवल संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाया बल्कि आमजन की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

मोदकपाल में खुला पशु औषधालय, आसपास के कई गांवों के पशुपालकों को मिलेगा सीधा लाभ

बीजापुर। उमर विकासखंड के ग्राम पंचायत मुर्कीनार के आश्रित ग्राम मोदकपाल में पशुपालकों की वर्षों पुरानी मांग सोमवार को पूरी हो गई। यहां नव स्थापित पशु औषधालय का शुभारंभ उपसरपंच सदशिख अलसा ने किया। इसके शुरू होने से करीब आठ किलोमीटर के दायरे में आने वाले कई गांवों के पशुपालकों को अब उपचार और अन्य पशु चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।शुभारंभ समारोह में पंचायत सदस्य अनीता अंगनफली, जव्वा शंकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और राज्य शासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब पशुओं के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च



दोनों की बचत होगी।नव स्थापित औषधालय से मुर्कीनार, संडेल, पावरेल, पुसगुड़ी, नुकनपाल समेत आसपास के गांवों के पशुपालकों को

लाभ मिलेगा। यहां पशुओं के उपचार के साथ कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण, टीकाकरण, रोग नियंत्रण, स्वास्थ्य परामर्श और अन्य

नियमित पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे पशुधन की उत्पादकता बढ़ने और पशुपालकों की आय में सुधार की उमीद है। कार्यक्रम में पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. शिव शंकर करनम, डॉ. सुरेश कुमार साहू, डॉ. विकास कुमार मेश्राम (पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ) तथा अंबिका कागे (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, पशु औषधालय मोदकपाल) भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने कहा कि वनांचल क्षेत्र में पशु औषधालय शुरू होने से समय पर उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं गांव के नजदीक मिल सकेंगी। इससे क्षेत्र में पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

कांकिरा। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में अवैध जुआ, सट्टा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना कोर पुलिस ने कन्हारपुरी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए नदी किनारे चल रहे जुआ पट्ट पर दबिश दी और 09 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल रवेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। 27 जुलाई 2026 को गस्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कन्हारपुरी स्थित



नदी किनारे कोसुम पेड़ के नीचे कुछ लोग पैसों का दांव लगाकर ंकाट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना कोर पुलिस की टीम ने वहांहों को साथ लेकर बतए गए स्थान पर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे लोग भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके से ही 09 आरोपियों को धर दबोचा। जुआ पट्ट से

जुब्नी और कानूनी कार्रवाई पृष्ठताछ और तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं पट्ट से 211,400 नगद, 52 ताश की पतियां, एक ग्रीन नेट का टुकड़ा, 2 अंधजली मोमबतियां तथा मुक्के पर खड़ी 07 मोटरसाइकिलें विधिवत जप्त कीं। आरोपियों का यह कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3(2) के अंतर्गत अपराध पात्र जाने पर थाना कोर में अपराध पंजीबद्ध कर सभी 09

आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।गिरफ्तार आरोपियोंगं राम निषाद (55 वर्ष), ग्राम गौर गांव, हेमंत साहू (32 वर्ष), ग्राम ज्ञानपेटेली वेदप्रकाश (26 वर्ष), ग्राम कन्हारपुरी, खिलेगा उर्फ खिलानन नायक (26 वर्ष), ग्राम कन्हारपुरी, महेश बघेल (38 वर्ष), ग्राम आगराबाट, धर्मेन्द्र प्रधान (32 वर्ष), ग्राम देवरी, चोगन भोयर (30 वर्ष), ग्राम कन्हारपुरी,सितेश्वर उर्फ सोनू कुजाम (34 वर्ष), ग्राम बागोडर, परसराम (46 वर्ष), ग्राम देवरी, इस पुलिस टीम की रही सहायनी भूमिका इस सफ्त कार्रवाई में थाना कोर के सहायक उप निरीक्षक अशोक साहू, प्रधान आरक्षक तीर्थ गंधर्व, आरक्षक आत्माराम ध्रुव, आरक्षक अशोक परकाम, आरक्षक चेतन कचपची एवं डीएसएफ आरक्षक प्रेम नेताम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवा और जनहित के कार्यों से जोड़कर विकसित भारत के संकल्प को किया साकार

बस्तर के हजारों युवाओं ने भाजपा के रीति नीति से प्रभावित होकर थामा भाजयुमो का दामन, आड़ावाल में हुआ भव्य ज्वाइन



जगदलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के ज्वाइन भाजयुमो अभियान के अंतर्गत रवीवार को जगदलपुर के आड़ावाल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव के नेतृत्व में बस्तर जिले के तेरह मंडल के एक हजार से अधिक युवाओं ने भारतीय जनता युवा मोर्चा

की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति ने भाजपा और भाजयुमो के प्रति युवाओं के बढ़ते विश्वास को प्रदर्शित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवाओं को राष्ट्र

निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम मानती है। भाजपा युवा मोर्चा के माध्यम से युवाओं को नेतृत्व, सेवा और जनहित के कार्यों से जोड़कर विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा रहा है। उन्होंने नवयुवाओं से संगठन की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक



पहुंचाने का आह्वान किया। बस्तर लोकसभा सांसद महेश करण्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में युवा भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देशविरोधी तत्व आंदोलनों के माध्यम

से युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं तथा कुछ लोग नक्सली हिंसा जैसे व्यक्ति का महिमामंडन करने की कोशिश करते हैं, जबकि वह हजारों निर्दोष लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रेरणा स्रोत ऐसे लोग नहीं, बल्कि शहीद गेंद सिंह, वीर गुंडाधुर,

शहीद डेबरीधूर, चंद्रशेखर आजाद, स्वामी विवेकानंद और शहीद भगत सिंह जैसे राष्ट्रभक्त महापुरुष हैं, जिनके आदर्शों पर चलकर युवा राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दें। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया ने कहा कि युवा शक्ति देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। भारतीय

जनता युवा मोर्चा युवाओं को नेतृत्व के अधिक अवसर प्रदान कर उन्हें समाज और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में हजारों युवाओं का भाजयुमो से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा पर अपना विश्वास जता रहे हैं। उन्होंने नक्सलियों से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो जिला महामंत्री राम प्रसाद मौर्य ने किया तथा अंत में भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष आनंद झा ने आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष पदलाम नाग,बलदेव मंडावी, जगदलपुर महापौर संजय पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लच्छूराम कश्यप,बस्तर संभाग प्रभारी नगरीय निकाय प्रकोष्ठ योगेंद्र पांडे, रामाश्रय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, जिला उपाध्यक्ष अर्येंद्र सिंह आर्य, जिला महामंत्री रजनीश पाणीग्राही एवं परिसर राम बेसरा,जिला मंत्री सुब्रतो विश्वास,पूर्वी मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव, पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा,भाजयुमो प्रदेश महामंत्री कुणाल ठाकुर,संभाग प्रभारी पीयूष सिंह,भाजयुमो जिला प्रभारी जय हिंदुजा,सह प्रभारी विकास दुआ,प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य विनय राजू, संग्राम सिंह राणा,आलेख राज तिवारी,अनुष्का साहू,रोहन घोष,राहुल सोनी,मनी विक्रम नायडू,मोरध्वज सेठिया, विक्रम ठाकुर, जशवंत जोशी,तमिश महामंत्री कुणाल ठाकुर,संभाग प्रभारी नाथदु,जिला एवं जनपद सदस्य सरस्वगण तथा भाजपा एवं विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश मुआवजा घोटाले की जांच
तेज, 5 नायब तहसीलदार और
5 राजस्व लिपिकों को नोटिस

बिलासपुर। सर्पदंश से मौत के मामलों में करोड़ों रुपये के मुआवजे के कथित फर्जीवाड़े की जांच अब नए चरण में पहुँच गई है। बिलासपुर पुलिस ने मामले में पांच नायब तहसीलदारों और पांच राजस्व लिपिकों को नोटिस जारी कर बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया है। हालाँकि, नोटिस बिलाने के बावजूद अब तक सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज नहीं हो सके हैं, जिससे जांच की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। पुलिस उन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है, जिनके कार्यक्षेत्र में कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सर्पदंश से मृत्यु के मामलों में प्राकृतिक आपदा राहत मद से मुआवजा स्वीकृत किया गया था। विधानसभा में मामला उठने के बाद दर्ज एफ्डीआर में वकीलों, चिकित्सकों, राजस्व विभाग के कर्मचारियों और बिचौलियों को आरोपी बनाया गया है। अब तक इस मामले में 19 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कथित फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पंचनामों के आधार पर मुआवजा स्वीकृत किया गया। इस प्रक्रिया में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका की जांच के दायरे में है। बताया गया कि शुरुआती जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति में तत्कालीन तहसीलदार प्रकाश साहू, तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. श्रीकेश कुमार गुप्ता और संबंधित थाना प्रभारी शामिल थे। जांच की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि जिन थाना प्रभागियों ने शुरुआती जांच के दौरान कथित अनियमितताओं पर सवाल नहीं उठाए, वही अब पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। ऐसे में स्वतंत्र एजेंसी या विशेष जांच दल से जांच कराने की मांग भी तेज हो गई है। सिटी कोतवाली, सिविल लाइन, सरकंडा, सिरगिट्टी और कोनी थाना क्षेत्रों से जुड़े मामलों में संबंधित पांच नायब तहसीलदारों द्वारा स्वीकृत फर्जीवाड़ों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों के सत्यापन और सभी संबंधित अधिकारियों के बयान दर्ज होने के बाद जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लेकर प्रताड़ित करने का आरोप, युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले मामा-मामी गिरफ्तार

बिलासपुर। मस्तुरी थाना पुलिस ने युवक को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप में उसके मामा और मामी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लेने और बाद में लगातार मानसिक प्रताड़ना देने के कारण युवक ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के अनुसार, थाना मस्तुरी में दर्ज मर्ग क्रमांक 40/2026 की जांच के दौरान मृतक राहुल साहू (22 वर्ष), निवासी हिरौं के माता-पिता और बहन के बयान लिए गए। परिजनों ने बताया कि राहुल के मामा इन्द्र कुमार वैष्णव उर्फ भवानी और मामी अंबिका वैष्णव ने शासकीय रेलवे कैंटीन में नौकरी लावाने का भरोसा देकर उनसे रुपये लिए थे। जांच में यह भी सामने आया कि नौकरी नहीं लगने पर राहुल कई बार अपनी रकम वापस मांगने गया। आरोप है कि 9 मार्च 2026 को रुपये मांगने पर उसकी मामी ने उसे धमकी दी कि यदि वह बार-बार पैसे मांगने आएगा तो उसे झूठे दुकर्म के मामले में फंसा दिया जाएगा। इस धमकी के बाद राहुल मानसिक रूप से बेहद परेशान और भयभीत रहने लगा। उसने यह बात अपने पिता को भी बताई थी। पुलिस का कहना है कि मर्ग जांच में मिले साक्ष्यों के अनुसार अप्रैल 2025 से ही राहुल को उसके मामा और मामी द्वारा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी प्रताड़ना और लोमकेलाज के भय के कारण उसने 9 मार्च 2026 को आत्महत्या कर ली। मामले में थाना मस्तुरी में अपराध क्रमांक 490/2026 के तहत धारा 108 एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना की गई। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। अपराध से संबंधित पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता,
दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में तत्काल
किए जाएं सुरक्षा उपाय-कलेक्टर

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुचारु बनाने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अलावा जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा करते हुए रात्रि गश्त करने, पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था करने और पुलिस प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर रेना जमील ने जिले के सभी दुर्घटना संभावित एवं चिन्हित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सुरक्षा कार्य कराने के निर्देश दिए।

प्रादेशिकी

टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित योजनाओं की समीक्षा

बंदे मातरम् अभियान की तैयारियां तेज करें, एग्रीस्टैक पंजीयन में समितिवार लक्ष्य हर हाल में पूरा करें : कलेक्टर संजय अग्रवाल...

**30 जुलाई तक साइकिल,
गणवेश और पाठ्यपुस्तक
वितरण के दिए निर्देश**

विलासपुर। कलेक्टर श्री संजय शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वंदे मातरम् अनिवार्य रूप से चरण की तैयारियाँ समायोज्य एवं सवावी ढंग से सुनिश्चित की जाएँ तथा गीट्टर के अंतर्गत किसानों के पंजीकरण प्रत्येक समिति को दिए गए लक्ष्य हरा में पूरे किए जाएँ। उन्होंने कहा कि इसकी प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की बाधिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने आज आयोजित समय-सीमा (टाइम टो गो) बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा

चलती ट्रेन में चढ़ना-उतरना जानलेवा हो सकता है : सतर्क रहें, सुरक्षित यात्रा करें

विलासपुर। यात्रियों की शिक्षा भारतीय रेलवे की सर्वोच्च शक्तिता है। भारतीय रेल यात्रियों के लिए एक विशेष यात्रा सेवा उपलब्ध करा रही है। चली ट्रेन में चढ़ने या उतरने का आस करना जानलेवा साबित हो सकता है। इसके बावजूद कुछ यात्री नुस्खाबाजी अथवा लापरवाही के कारण चली ट्रेन में चढ़ने या उतरने प्रयास करते हैं, जिसके कारण यात्री दुर्घटना घटित हो जाती हैं। रेल में रेलवे स्टेशनों पर हुई कई दुर्घटनाओं में यात्रियों की लापरवाही कारण गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं, जिनमें कई लोगों को जानी चोटें आई हैं और कुछ को गंभीर भी चली है। चली ट्रेन की गति का गंभीर अनुमान लगाना लगभग संभव होता है। अक्सर ट्रेन की गति के गति दिखाई देने वाली गति से अधिक होती है, जिसके

कारण यात्री संतुलन खो सकता है। केकेल एक क्षण की असावधानी या प्लेयर फ़िसलने से यात्री टूट और घेरने के क्षेत्र के बीच गिर सकता है, जिससे गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करना एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से अनिवारित रूप से सुरक्षा संबंधी चेतावनी प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में बड़ी सफलता मिली

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व में रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' का प्रथम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ट्रेनों एवं रेल परिसरों में सक्रिय चोरी, लूट एवं अपराधिक गतिविधियों में संलग्न गिरोहों के विरुद्ध लगातार इस अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं तहत आरपीएफ एवं राजकीय रेल (जीआरपी) की संयुक्त कार्रवाई में बरियारपुर (मुंगेर) के कुख्यात 'पेपे' छह शांति आरोपियों को गिरफ्तार बड़ी सफलता प्राप्त की गई है। य दिनांक 12 जुलाई 2026 को 58718 टिफलागढ़ पैसंजर में हुई घटना के आधार पर की गई। राय श्री यज्ञ नारायण सोनी अपनी पत्नी

पर गैंग' की संलिप्तता का संदेह है। इसके बाद ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत विशेष जांच अभियान चलाते हुए बिलासपुर, यर्रामनगर, अकलतरा, सैती एवं पुरा रेलवे स्टेशनों के नातीवा एंटेज का गहन विश्लेषण किया गया। नवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज को रहर के ट्रैफिक कैमरों एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों से जोड़कर संदिग्धों धर्मों का पता लगाया गया। जांच में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आरोपी होटल में रहते थे तथा सभी र के बरियारपुर, मुंगेर के संगठित चोरी डे हैं।। तकनीकी निगरानी के दौरान यह कि गिरोह पुनः बिलासपुर क्षेत्र में चोरी को अंजाम देने की तैयारी में था। इसी आधार पर 26 जुलाई 2026 को आरपीएफ बिलासपुर एवं सीआरपी की संयुक्त नाबद्ध कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों कर लिया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएँ सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दये। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार एवं एडीएम श्री शिवकुमार वर्मा ने भी लोगों की समस्याएँ सुनी। जनदर्शन में ग्राम पंचायत दर्राभांठा की पंचायती महिला हिरा बाई ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि वे वार्ड क्र 4 की पंच हैं। उन्हें 10 माह से मानदेय की राशि नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को ग्राम पंचा की बैठक में गांव की समस्याएँ

काम की चर्चा के दौरान उन्होंने सरपंच से अपने मानदेय नहीं मिलने की शिकायत की। तो सरपंच ने आश्वासन दिया कि आपको पैसा आपको मिल जाएगा लेकिन अभी तक मुझे मानदेय नहीं मिला है। जबकि गांव के अन्य पंचों को मानदेय मिल चुका है तखतपुर तहसील के ग्राम परसाकापा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि गांव के ही आदित्य यादव द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान बनाकर कब्जा कर लिया गया है। साथ ही सार्वजनिक हैंडपंप से मात्र ही कुच्छ फीट की दूरी पर सेप्टिक टैंक का निर्माण कर दिया जा रहा है। सेप्टिक टैंक बनाए जाने से पेयजल स्रोत दूषित होने तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। ग्रामीणों ने अवैध निर्माण पर तत्काल रोक लगाकर कार्रवाई करने की मांग की है।

रतनपुर निवासी अनिकेत कुमार बारे ने कहा है। सकरी
कि भारतीय स्टेट बैंक शाखा रतनपुर द्वारा निवासी मेधा
वर्ष 2024 से लगातार आवेदन और सूरज जैन न
दस्तावेज जमा करने के बावजूद उनका ऋण राखने पर
स्वीकृत नहीं किया गया, जिससे समय और बहक कर मेरे
आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने मामले की मेरे खेत पर
जांच कर ऋण स्वीकृत कराने की मांग की जमाव हो ग



तहसील अंतर्गत बेलमुण्डी स्थित सूर्यवंशी ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा कोयले की लकड़ों में डाला गया जो बारिश में भीज भीम पर आ गया है और एक फीट से दो फीट राख का है। जिस कारण खेत का फसल नष्ट हो गई है। इस मामले पर श्री सूर्यवंशी ने उचित कार्यवाही की मांग की है। मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम लोहसूरी निवासी उषा दुबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0 की स्थाई प्रतीक्षा सूचना में पात्र होने के बावजूद नाम न जोड़े जाने के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की सभी पात्रता एवं मानदंड पूर्ण करती है। ग्राम भूमा निवासी कमल प्रसाद मिश्रा ने भूमि रिकार्ड में छेड़छाड़ कर बंटकाकन नम्बर विलोपित करने संबंधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि के रिकार्ड में बिना वैधानिक प्रक्रिया के अपनाए संशोधन कर दिया गया, जिससे भूमि संबंधी अभिलेख प्रभावित हुए हैं। उन्होंने संबंधित रिकार्ड की जांच कर रिकार्ड दुरुस्त करने की मांग की है।

बिलासपुर एवं मुंगेली जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री साव बिलासपुर में वन महोत्सव कार्यक्रम, मुंगेली जिले के अचानकमार टाड़गर रिजर्व में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के आयोजन तथा बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड स्थित सिद्ध बाबा आश्रम बेलगहना में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री श्री साव प्रातः 8 बजे नया रायपुर स्थित निवास से प्रस्थान कर लगभग 10.30 बजे पॉइंट सुंदरलाल शर्मा ओपन युनिवर्सिटी, बिलासपुर	इसके बाद दोपहर 1 बजे बिलासपुर से प्रस्थान कर मुंगेली जिले के लोरोमी स्थित बैगा रिसॉर्ट पहुंचेंगे, जहां दोपहर 1.30 बजे से 3 बजे तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे वे बैगा रिसॉर्ट से प्रस्थान कर बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड स्थित सिद्ध बाबा आश्रम, बेलगहना पहुंचेंगे जहां शाम 4 बजे से 5 बजे तक गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। शाम 5 बजे बेलगहना से प्रस्थान कर श्री साव रात्रि लगभग 8 बजे नया रायपुर स्थित अपने निवास पहुंचेंगे।
--	--

इसके बाद दोपहर 1 बजे बिलासपुर से प्रस्थान कर मुगेली जिले के लोरमी स्थित बैगा रिसॉर्ट पहुँचेंगे, जहाँ दोपहर 1.30 बजे से 3 बजे तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाघ विद्वक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे वे बैगा रिसॉर्ट से प्रस्थान कर बिलासपुर स्थित के कोटा विकासखंड स्थित सिद्ध बाबा आश्रम, बहेलहना पहुँचेंगे। यहाँ शाम 4 बजे से 5 बजे तक गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। शाम 5 बजे बहेलहना से प्रस्थान कर श्री सावल रात्रि लगभग 8 बजे नया रायपुर स्थित अपने निवास पहुँचेंगे।



संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करें, जिससे अधिकांश समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने एग्रीस्टैक में किसानों के पंजीयन की समीक्षा करते हुए बताया कि जिले में अभी लगभग 55 हजार किसानों का पंजीयन शेष है। प्रत्येक समिति को प्रतिदिन कम से कम 10 किसानों का पंजीयन करने का लक्ष्य दिया गया। इस

कार्य की जिम्मेदारी समिति प्रबंधक पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (आएईओ) को सौंपी गई थी। संबंधित एसडीएम प्रतिदिन इसकी समीक्षा करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि वंदे मातरम अभियान का तीसरा चरण 7 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। इस दौरान ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक राष्ट्रभक्ति से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए

जाएंगे। सभी कार्यक्रमों के फोटोग्राफ एवं गतिविधियों की जानकारी अभियान पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए गए। बैठक में रतनपुर-केचन मार्ग की खराब स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करके हुए कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि बांधों से पानी छोड़े जाने से पूर्व वायक अलर्ट जारी किया जाए तथा संबंधित उप अभियंता क्षेत्र में उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित करें कि किसानों को किसी प्रकार की क्षति न हो। भारी वर्षा से हुए नुकसान के प्रकरण भी शीघ्र तैयार कर पात्र हितग्राहियों को राहत दिलाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सूक्ष्म योजना की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मोर गांव मोर पानी अभियान बना जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल.....

बिलासपुर। जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए जिले में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में संचालित 'मोर गांव मोर पानी' अभियान उल्लेखनीय परिणाम दे रहा है। अभियान के तहत जिले में जल संकट से निपटने, भू-जल स्तर में सुधार लाने तथा किसानों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 441 हितराहियों की निजी भूमि पर आजीविका डबरियों का निर्माण कराया गया है। वर्षाकाल में इन डबरियों में वर्षा जल का संग्रहण किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों को पूरे वर्ष कृषि कार्यों के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है। इन डबरियों की विशेषता यह है कि प्रत्येक डबरी में लगभग 1300 घन मीटर वर्षा जल संग्रहित करने की



माना है। संग्रहित जल का उपयोग किसान सिंचाई, मछली पालन, पशुपालन, गावगीली तथा अन्य कृषि आधारित विधिविधियों में कर रहे हैं। इससे किसानों की खेती वर्षा पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह गई है और आवश्यकता के समय सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होने से फसलों की उत्पादकता में भी वृद्धि हो रही है। डबरियाँ का लाभ केवल जल संग्रहण तक सीमित नहीं है। प्रत्येक डबरी के माध्यम से

वर्षाकाल में लगभग 2600 घन मीटर भू-जल पुनर्भरण (वाटर रेचार्ज) भी हो रहा है। इससे आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर में सुधार आ रहा है तथा कुएं, हैंडपंप और अन्य जल स्रोतों में पानी की उपलब्धता अलंबे समय तक बनी रहने में मदद मिल रही है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रही है।



कब रखा जाएगा गुरु पूर्णिमा का व्रत

साल 2026 में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व 29 जुलाई 2026, बुधवार को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को यह उत्सव मनाया जाता है, जो इस वर्ष उदयातिथि के नियम के तहत 29 जुलाई को पड़ रहा है।

गुरु पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं का सम्मान और उनकी पूजा की जाती है। शास्त्रों के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा को वेद व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। वेद व्यास जी को प्रथम गुरु माना जाता है। मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा करनी चाहिए। गुरुओं को वस्त्र, फल मिठाई आदि चीजों को समर्पित करना चाहिए। आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा कब मनाई जाएगी। आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा की तारीख, महत्व और पूजा विधि।

गुरु पूर्णिमा 2026 कब है

पंचांग और पंडित राकेश झा के अनुसार, पूर्णिमा तिथि का आरंभ 28 जुलाई को शाम में 6 बजकर 19 मिनट पर होगा और 29 तारीख में शाम में 8 बजकर 6 मिनट पर पूर्णिमा तिथि समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, जिस दिन पूर्णिमा तिथि के मध्यरात्रि के समय लग रही हो उस दिन पूर्णिमा का व्रत किया जाता है। ऐसे में 28 जुलाई को पूर्णिमा व्रत किया जाएगा और गुरु पूर्णिमा का दान आदि का कार्य 29 जुलाई को किया जाएगा। इस दिन अपने गुरु का सम्मान करना चाहिए। इस दिन उनका आभार व्यक्त करना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा पर जरूर करें ये 2 काम

- गुरु पूर्णिमा के दिन आप सुबह में स्नान और पूजा के बाद अपने गुरु के पास जाएं या फिर उनको घर पर आमंत्रित करें। उनका आदर-सत्कार करें और पैर छूकर आशीर्वाद लें। भोजन कराएं। उपहार दें। उनको सभी प्रकार से संतुष्ट करके विदा करें। गुरु पूर्णिमा के दिन यह काम करने से आपकी उन्नति होगी क्योंकि गुरु की सेवा करने से कुंडली का गुरु दोष दूर होता है। गुरु की कृपा के बिना आपको ज्ञान और मोक्ष दोनों ही प्राप्त नहीं हो सकता।
- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किसी गरीब ब्राह्मण को पीले वस्त्र, हल्दी, पीतल के बर्तन, गुड़, घी, पीले चावल आदि का दान कर सकते हैं। इस दिन आप चाहें तो देव गुरु बृहस्पति की भी पूजा करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।



महर्षि वेदव्यास को समर्पित ज्ञान और गुरु-परंपरा का महापर्व

हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के धार्मिक शास्त्रों में गुरु पूर्णिमा के उत्सव को न केवल महत्वपूर्ण माना जाता है, बल्कि पवित्र भी माना जाता है। सदियों पुरानी संस्कृतियों में गुरु को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है और इसलिए समाज व इसकी निर्माण प्रक्रिया में गुरु एक अमिन्न अंग है। साल 2026 में गुरु पूर्णिमा का यह पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

प्राचीन वैदिक शास्त्रों के निम्नलिखित श्लोक शिक्षक या गुरु को दिए गए सर्वोच्च स्थान को स्पष्ट करते हैं – *गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः, गुरु साक्षात् परम ब्रह्मा, तस्मै श्री गुरुवे नमः।* अर्थ – हे गुरु, आप देवताओं के समान हैं। आप भगवान ब्रह्मा हैं, आप भगवान विष्णु हैं और आप ही भगवान शिव हैं, आप देवताओं के देवता हैं। हे गुरुवर, आप सर्वोच्च प्राणी हैं। मैं नतमस्तक होकर आपको



नमन करता हूं। चंद्र मास आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गुरु शब्द में – गु का अर्थ है अंधकार, अज्ञान और रु का अर्थ है दूर करना या हटाना। तो, गुरु वह है जो हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है, हमें ज्ञानी बनाता है और हमारे जीवन और मन में सकारात्मकता लाता है।

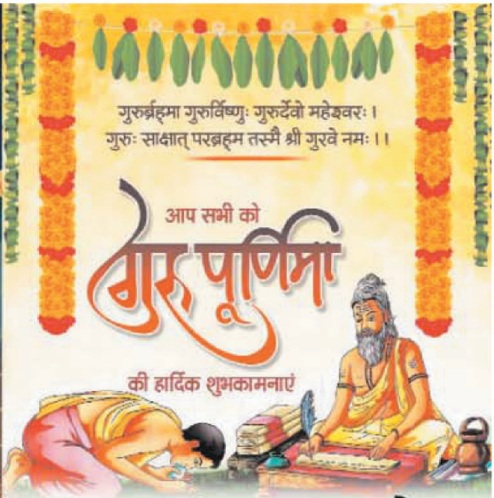
गुरु पूर्णिमा का इतिहास और महत्व

ऐसा माना जाता है कि गुरु वेद व्यास ने सभी 4 वेदों को लिखा था, जो भगवान ब्रह्मा द्वारा पढ़े गए थे और इस दुनिया में हर व्यक्ति उस काम के लिए कर्ज में है, जो संत व्यास ने किया था। उन्होंने कई पुराण भी लिखे और उसी समय से एक दिन गुरुओं को समर्पित किया जाता था और इस दिन को 'गुरु पूर्णिमा' कहा जाता है। पूर्णिमा शब्द का प्रयोग इसलिए किया जाता है, क्योंकि इस दिन पूर्णिमा होती है। अतीत और आज की दुनिया में भी इसका गहरा महत्व है। चूंकि यह दिन गुरुओं को समर्पित है, जाति आदि के बावजूद लोग अपने गुरुओं को उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के लिए धन्यवाद देते हुए प्रार्थना करते हैं।

गुरु-शिष्य संबंधों का दिन गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा उन महान शिक्षकों और गुरुओं को समर्पित है, जो हमारे भविष्य का निर्माण करते हैं। एक गुरु या शिक्षक वह होता है जो हमारे जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह काम करता है, जो हमें हमारी बेहतरी के लिए सही रास्ते पर ले जाता है। इसलिए, गुरु पूर्णिमा के दिन उनकी पूजा की जाती है। हिंदू वैदिक प्रमाणों के अनुसार, गुरु पूर्णिमा वेद व्यास के जन्म पर मनाई जाती है। वेद व्यास को भारतीय दर्शन में सबसे महान गुरुओं में से एक के रूप में जाना जाता है। वह गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है। यह भी माना जाता है कि उन्होंने गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्म

सूत्रों को पूरा किया था। गुरु-शिष्य संबंध भारतीय संस्कृति के मुख्य आकर्षणों में से एक है। प्राचीन काल में, बच्चों को एक पवित्र धागा (पूनल या यज्ञोपवीत या जनेऊ) पहनाया जाता था और उन्हें एक आश्रम/पाठशाला में भेजा जाता था, जहां उन्हें विभिन्न विषयों की शिक्षा दी जाती थी। गुरु उन्हें जीवन में सही दिशा खोजने में मदद करेगा। सनातन परंपराओं में हमारे माता पिता को हमारा पहला गुरु माना गया है। माता-पिता हमारे जीवन के पहले शिक्षक होते हैं, और इस प्रकार भारतीय संस्कृति भी माता-पिता को गुरु मानती है। पारंपरिक गुरु-शिष्य संस्कृति में, जब कोई शिष्य अपनी शिक्षा पूरी कर लेता था, और आश्रम छोड़ता था, तो वह अपने गुरु को गुरुदक्षिणा के रूप में कुछ न कुछ देता था, उसके बाद ही वास्तविक दुनिया में एक नया जीवन शुरू करता था। इस गुरु-शिष्य परंपरा को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक गुरु पूर्णिमा पर, लोग अपने शिक्षकों को अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार कुछ उपहार देते हैं, और उनका आशीर्वाद लेते हैं। पूज्य संत कबीर दास जी ने भी गुरु को लेकर कहा है कि – *गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पांय। बलिहारी गुरु अपने गोविन्द दियो बताय।।* जिसका अर्थ है– गुरु और गोविंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसी प्रणाम करना चाहिए, गुरु को अथवा गोविन्द को? ऐसी स्थिति में गुरु के श्रीचरणों में शीश झुकाना उत्तम है, जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। संत कबीरदास जी का गुरु को लेकर एक और प्रसिद्ध दोहा है– *कबीरा ते नर अंध है, गुरु को कहते और, हरि रूटे गुरु तौर है, गुरु रूटे नहीं तौर।* जिसका अर्थ है– कबीर दास जी कहते हैं कि वे लोग अंधे और मूर्ख हैं जो गुरु की महिमा को नहीं समझ पाते। अगर ईश्वर आपसे रूठ गया तो गुरु का सहारा है, लेकिन अगर गुरु आपसे रूठ गया तो दुनिया में कहीं आपका सहारा नहीं है।



गुरु की पूजा और आराधना करने से होती है सौभाग्य की प्राप्ति

- वैदिक ज्योतिष के सिद्धांतों के अनुसार, आप एक अभ्यस्त और ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा भी कर सकते हैं, खासकर यदि नीचे दिए गए ग्रह संयोजन आपकी जन्म कुंडली में मौजूद हों। यह आपकी कुंडली में गुरु या भगवान बृहस्पति के सौम्य प्रभावों को मजबूत करने में आपकी मदद करेगा।
- यदि आपकी जन्म कुंडली में गुरु अपनी नीच राशि यानी मकर राशि में है, तो आपको नियमित रूप से किसी गुरु यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- आपकी जन्म कुंडली में बृहस्पति-राहु, बृहस्पति-केतु या बृहस्पति-शनि की युति होने पर भी यह यंत्र अनुकूल है।
- यदि गुरु आपकी कुण्डली में नीच भाव में अर्थात छठे, आठवें या बारहवें भाव में है तो आपको किसी ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- जब बृहस्पति आपकी जन्म कुंडली में वक्री या अस्त होता है, तो बृहस्पति उतना मजबूत नहीं होता जितना आमतौर पर होता है। विश्वसनीय और ऊर्जावान गुरु यंत्र की पूजा करना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।
- जिनकी कुंडली में बच्चे की शिक्षा से संबंधित मामलों में समस्याओं का संकेत है, उन्हें विशेषज्ञ ज्योतिष की सलाह के माध्यम से वास्तविक मार्गदर्शन लेना चाहिए और पुखराज / पीला नीलम पहन सकते हैं।
- यदि आपकी कुण्डली वित्तीय परेशानियों का संकेत देती है, तो आपको वित्तीय मोर्चे पर समाधान खोजने के लिए नियमित रूप से एक सक्रिय श्री यंत्र की पूजा करनी चाहिए।
- गुरु पूर्णिमा को अपने मूल्यवान मार्गदर्शक, शिक्षक या जीवन के गुरु के साथ मनाएं।



पितृ दोष दूर करने के लिए गुरु पूर्णिमा के दिन इन स्थानों पर जलाएं दीपक



हिंदू धर्म में गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा और वेद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस साल गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को मनाई जाएगी।

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पर पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए आप कई उपाय कर सकते हैं। इसमें नियमों के अनुसार दीपक जलाना भी शामिल है।

गुरु पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना गया है। इस पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। महर्षि वेदव्यास महाभारत ग्रंथ के रचयिता रहे हैं। पूर्णिमा तिथि को पितरों को प्रसन्न करने के लिए एक उत्तम तिथि माना गया है। इस तिथि पर आप अगर कुछ खास स्थानों पर दीपक जलाते हैं, तो इससे आपको पितृ दोष से राहत मिल सकती है।

इस दिशा में जलाएं दीपक

दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। ऐसे में आप गुरु पूर्णिमा के दिन

पितृ दोष दूर करने के लिए, घर की दक्षिण दिशा में दीपक जला सकते हैं। इसके साथ ही पूर्वजों की तस्वीर के सामने, तिल के तेल का दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपको पितृ दोष से राहत देखने को मिल सकती है।

जरूर करें ये काम

गुरु पूर्णिमा के दिन नदी में दीपदान करना भी शुभ माना जाता है। इस उपाय को करने से भी जातक को पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है। इसके अलावा, पीपल के

पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना भी पितृ दोष से राहत के लिए काफी लाभकारी होता है। इससे जातक पर पितरों का आशीर्वाद बना रहता है।

करें ये उपाय

पितृ दोष से राहत पाने के लिए पूर्णिमा के दिन पितरों के लिए भोजन निकालकर उनका तर्पण करें। कौओं के लिए भोजन निकालें। साथ ही इस दिन पितृ स्तोत्र और पितृ कवच आदि का पाठ करें। ये पितृ दोष के निवारण में सहायक साबित हो सकते हैं।

रखें इन बातों का ध्यान

पितृ दोष से निवारण के लिए सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ होता है। दीपक को सीधे जमीन पर न रखें, बल्कि इसे चावलों के ऊपर या फिर किसी प्लेट के ऊपर रख सकते हैं। इसके साथ ही पूर्णिमा के दिन दीपक जलाते समय पितरों का स्मरण करें और जाने-अनजाने में आपसे हुई गलतियों के लिए उनसे क्षमा मांगें।

वाद नहीं, संवाद की शक्ति : कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का उत्साह बना प्रेरणा का स्रोत

ग्रामों से उठ रही सौहार्द, संवाद और सामाजिक समरसता की नई अलख : पति-पत्नी की प्रेरणादायी सहभागिता बनी आकर्षण का केंद्र

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण , नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत हार्दोस्स एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों द्वारा अभूतपूर्व उत्साह, सीखने की जिज्ञासा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पण इस अभिनव पहल की सार्थकता को सुदृढ़ कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में उपस्थित सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा यह अवलोकन किया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा «वाद-मुक्त ग्रामीण भारत» के निर्माण के संकल्प के साथ जिले के पाँच चयनित ग्राम–घुघसीडीह, ननकड़ी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल–से चयनित कम्यूनिटी मीडियेटर्स को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता, संवादात्मक शिक्षण पद्धति एवं



ग्राम स्तर पर शांति, सामाजिक समरसता एवं वाद-मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को भी निस्कता से देखा एवं सराहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत निकुम से माधव प्रसाद देशमुख, भागवत राम पटेल एवं श्रीमती मंजुषा मेश्राम, ग्राम पंचायत घुघसीडीह से मोहन सोनी, गोवर्धन बारले एवं श्रीमती ललिता बारले; ग्राम

पंचायत कुथरेल से श्रीमती गीता गजपाल एवं डॉ. लोकनाथ साहू; ग्राम पंचायत अरसनारा से श्रीमती राधा निपाद एवं बरातूराम निपाद तथा ग्राम पंचायत ननकड़ी से रवि साहू एवं बुद्धि सागर वर्मा सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। इन्हें व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक अत्यंत प्रेरणादायी एवं उल्लेखनीय विशेषता यह भी है

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर संपन्न लक्ष्य वेलफेयर फाउंडेशन का आयोजन सराहनीय रहा

रायपुर – मानव सेवा के संकल्प को साकार करते हुए लक्ष्य वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा मानव सेवा ब्लड बैंक, में दो थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष स्वीच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए समय पर सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में स्वीच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। समाजसेवियों एवं जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. ममता साहू, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग (राज्यमंत्री दर्जा) रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग (राज्यमंत्री दर्जा) उपस्थित रही। विशेष अतिथि के रूप में गजजू साहू, अध्यक्ष, जोन क्रमांक-01, वार्ड पार्शद एवं संरक्षक, लक्ष्य वेलफेयर फ़ाउंडेशन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के भागीरथ डॉ. उदय भान सिंह चौहान की गरिमामयी

उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि डॉ. ममता साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को जीवनभर नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे बच्चों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्त की व्यवस्था करना अत्यंत संवेदनशील, मानवीय एवं अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी ज़रूरतमंद को नया जीवन प्रदान कर सकता है। लक्ष्य वेलफेयर फ़ाउंडेशन समाजजहित में जिस समर्पण के साथ कार्य कर रहा है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। समाज के प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को नियमित रूप से स्वीच्छिक रक्तदान करना चाहिए। डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों का जीवन बचाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर मानव सेवा के इस महायज्ञ में सहभागी बनने का आह्वान किया।

डॉ. उदय भान सिंह चौहान ने कहा कि लक्ष्य वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं रक्तदान जैसे क्षेत्रों में निरंतर किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने वाली संस्थाएं ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती हैं। गजजू साहू ने कहा कि रक्तदान किसी भी व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला सबसे बड़ा दान है। एक रक्तदाता अनेक लोगों के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित रक्तदान करने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम की सबसे विशेष पहल यह रही कि लक्ष्य वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा प्रत्येक स्वीच्छिक रक्तदाता का सम्मान किया गया। संस्था ने रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें रेनकोट, हेल्मेट अथवा छता में से अपनी इच्छानुसार किसी एक उपयोगी उपहार का चयन करने का अवसर प्रदान किया।

निगम आयुक्त ने सुबह शहर के विकास कार्यों एवं त्यवस्थाओं का लिया जायज़ा

भिलाई। भिलाई नगर निगम आयुक्त सुरेश सिंह द्वारा शनिवार को मॉनिंग विजिट के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों में संचालित विकास कार्यों एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने 2नेहरू भवन सुपेला का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । सब्जी मंडी में जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। 7चंद्रा मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का अवलोकन कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। नव निर्मित ई-बस स्टैंड की व्यवस्थाओं और वार्ड 8 गांधी चौक क्षेत्र की सुविधाओं का



जायज़ा लिया। 2स्मृति नगर वार्ड 2 स्थित ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये । प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों में हितग्राहियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं परिसर की

रक्तदाता संस्थाओं को मिलेगा एक चौथाई निःशुल्क रक्त का लाभ, कलेक्टर की नई पहल

‘रक्तदान-महादान’ विषय पर कला मंदिर भिलाई में बैठक सम्पन्न

दुर्ग। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित स्वीच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग में ‘रक्तदान-महादान’ विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यापारी संघ, महिला समूहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में जनभागीदारी से सर्वसुविधायुक्त ब्लड बैंक का सफल संचालन किया जा रहा है। इस ब्लड बैंक के माध्यम से जिला चिकित्सालय में भर्ती गंधी एवं ज़रूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अनेक लोगों की जान बचाई जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे वर्ष के लिए नियमित रक्तदान



शिविरों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करना है, ताकि प्रत्येक संस्था, संगठन एवं समाज रक्तदान शिविर आयोजित कर सके। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी भिलाई के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध रहेगी कि किस संस्था या संगठन ने कितनी यूनिट रक्तदान किया है, वर्तमान

में ब्लड बैंक में कितनी यूनिट रक्त उपलब्ध है तथा अन्य आवश्यक जानकारी भी डिजिटल रूप से दर्ज रहेगी। कलेक्टर सिंह ने बताया कि थैलेसीमिया, एनीमिया, सिक्ल सेल रोग, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं जैसे गंधीर मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वहीं अन्य मरीजों से शासन द्वारा निर्धारित शुल्क लिया जाता है। रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर सिंह ने एक नई पहल करते हुए कहा कि यदि कोई संस्था, समाज या संगठन रक्तदान करता है और उसके द्वारा अनुशंसित ऐसा व्यक्ति, जो शासन की निःशुल्क रक्त श्रेणी में

शामिल नहीं है, रक्त की आवश्यकता होने पर उसे संस्था द्वारा प्रदाय किए गए रक्त में से एक चौथाई निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बचाने का संकल्प है। युवाओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने में सभी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में जिले के विभिन्न समाज प्रमुखों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस एवं अर्धसैनिक बल, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी संगठनों, औद्योगिक संस्थानों तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने रक्तदान अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए सुझाव और सहयोग का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी अधिकारी डॉ. एस.आर. चुन्द्रे ने ब्लड बैंक दुर्ग की कार्यप्रणाली, रक्त की आवश्यकता तथा स्वीच्छिक रक्तदान के महत्व पर विस्तृत जांचकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधाओं के लिए किया जा रहा बेहतर कार्य

राजनंदागांव। नगर पालिक निगम राजनंदागांव द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सफाई, जल निकासी, सड़क मरम्मत, पौधरोपण, मवेशी नियंत्रण तथा अधोसंरचना सुधार से संबंधित विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। नगर निगम की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी कचरा संग्रहण स्थलों एवं रिक्त भूमि पर डाले गए कचरे को नियमित सफाई जेसीबी एवं टिप्पर के माध्यम से की जा रही है। साथ ही नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं डालने के लिए लगातार समझाइश भी दी जा रही है। खैरागढ़ रोड सहित अन्य क्षेत्रों में भी डम्प कचरे का नियमित उखाव किया जा रहा है। वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए बड़े नालों, नालियों एवं जल निकासी मार्गों की नियमित सफाई कराई जा रही है। जिला अस्पताल के सामने स्थित नाले तथा अस्पताल परिसर के आसपास की नालियों की विशेष रूप से सफाई कराई गई है। जहां आवश्यक है, वहां कच्ची नालियां बनाकर जल निकासी सुनिश्चित की जा रही है। नया बस स्टैंडज, नगर निगम कार्यालय परिसर एवं शीतला मंदिर क्षेत्र में भी जलभराव की स्थिति बनने पर त्वरित निकासी की व्यवस्था की जा रही है। स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए रानी सागर क्षेत्र में कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया गया है तथा अतिक्रमण एवं अवैध कब्जों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम द्वारा शहर की जर्जर सड़कों के संभारण एवं मरम्मत के लिए पेचवर्क कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। आगामी गणेश उत्सव एवं वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए विभिन्न वार्डों में सड़क सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। डम्पर उपलब्ध होते ही

सिविक सेंटर, सुपेला, आकाशगंगा एवं इंदिरा मार्केट में दुकानदारों व व्यापारियों के साथ यातायात पुलिस ने की संवाद बैठक

दुर्ग। जिला दुर्ग के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस रोड पर यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से दुर्ग यातायात पुलिस द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के व्यस्ततम बलायों से लेकर हाईवे के सर्विस लेन तक के दुकानदारों, व्यापारियों, वाहन मालिकों तथा चालकों की महत्वपूर्ण बैठकें ली गईं। इसी क्रम में यातायात पुलिस टीम द्वारा सिविक सेंटर, सुपेला मार्केट, आकाशगंगा क्षेत्र एवं इंदिरा मार्केट के दुकानदारों व व्यापारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में दुकानों के सामने नो-पार्किंग में वाहन खड़े होने से लगने वाले जाम और आम जनता को होने वाली असुविधा से अवगत कराया गया। दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए



गए कि वे अपनी दुकानों के सामने ग्राहकों को अव्यवस्थित वाहन खड़े न करने दें। इसके साथ ही, ओल्ड भिलाई ट्रैफिक जोन द्वारा खुर्सीपार से लेकर कुम्हारी तक रोड किनारे सर्विस लेन में स्थित समस्त दुकानों के संचालकों के साथ ‘वन टू वन’ (व्यक्तिगत) मीटिंग की गई। सर्विस रोड पर गाड़ियों के अवैध रूप से खड़े रहने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व यातायात में बाधा के संबंध में व्यापारियों को जागरूक किया गया। दुकानदारों से अपील की

मुक्त रखने की अपील की गई। चालकों को जागरूकता व चेतावनी: - नो-पार्किंग तथा सर्विस लेन में अवैध रूप से खड़े वाहनों के मालिकों व ड्राइवर्स को मौके पर ही नियमों की जानकारी देकर समझाइश दी गई।यातायात जागरूकता कार्यक्रम :-यातायात पुलिस दुर्ग एवं दिशा सामाजिक संस्था द्वारा आज दिनांक 26 जुलाई 2026 को रेल चौक, सेक्टर-7, भिलाई में संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाने वाले तथा दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठकर वाहन चलाने वाले चालकों को रोककर यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

महापौर परिषद की बैठक, रिसाली निगम बढ़ाएगा अपना संसाधन, वाहन के लिए दूसरे निकाय पर नहीं रहना पड़ेगा आश्रित

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा ने नगर निगम रिसाली का संसाधन बढ़ाने का फैसला लिया है। उन्होंने महापौर परिषद की बैठक में सक्शन कम जेंटिंग मशीन, हॉपर टिपर, डम्पर और ई कार्ट खरीदने पर मुहर लगाई है। परिषद की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। आमतौर पर रिसाली निगम को बड़े सेप्टिक टैंक की सफाई करने सक्शन मशीन के लिए दूसरे निकाय पर निर्भर रहना पड़ता था। अब रिसाली के पास खुद का वाहन होगा। शुक्रवार निर्णय लिया गया कि तीन-तीन हजार लीटर क्षमता वाले दो वाहन की खरीदी की जाएगी। सक्शन मशीन के साथ तीन हजार लीटर की जेंटिंग सुविधा भी रहेगी। इसके अलावा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए 33 नई कार्ट की भी खरीदी की जाएगी। यही नहीं हॉपर



टिपर डम्पर 2 नग खरीदने का अंतिम निर्णय लिया गया। महापौर परिषद के सदस्यों का कहना था कि संसाधन बढ़ने से दूसरे निकाय पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, संजु नेताम, रोहित धनकर, ममता यादव, रंजीता बेनुआ, जमुना ठाकुर के अलावा आयुक्त मौनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे।

गौधाम योजना के तहत संचालित होगा नेवई गौठान

वर्तमान में गोठान का संचालन रिसाली निगम करता था, जहां घुमंतू मवेशियों को पकड़कर रखा जाता था। अब राज्य सरकार की योजना के तहत गोठान का संचालन गौधाम योजना के तहत किया जाएगा। इसके लिए व्चाम इंटरप्राइजेस तालपुरी को अधिकृत किया गया है।

कलेक्टरेट परिसर में 50 लाख की लागत से पेविंग ब्लॉक कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,पार्शद रामचंद्र सेन,युवराज कुंजाम,खिलावन मटियारा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाय एवं विभागीय अधिकारियों के साथ महापौर ने कहा कि कलेक्टरेट परिसर प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों के आवागमन का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में परिसर का व्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक होना आवश्यक है। पेविंग ब्लॉक निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि परिसर की सुंदरता और सुविधाओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। महापौर ने विशेष रूप से जल संरक्षण पर जोर देते हुए परिसर में

वाॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) संरचना विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक शासकीय परिसर में वर्षा जल संचयन की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि भू-जल स्तर में वृद्धि हो तथा जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग की समुचित योजना तैयार कर उसे शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य का बारिकी से अवलोकन किया तथा निर्माण की गुणवत्ता एवं कार्य की प्रगति को संतोषजनक पाया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahlineews@gmail.com

